



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

नई विस्ती, शनिवार, विसम्बर 8, 1973/ग्राहायण 17, 1895

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 8, 1973/AGRAHAYANA 17, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि पहले घराने संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

## PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विविध आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administration of Union Territories)

मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई विस्ती, 24 नवम्बर, 1973

का. न्या. 3362.—सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुकु द्वारा प्रदत्त नियमों का अधिकारी इस संबंध में उन्हें समर्थ करते थाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय मान्युलिपिक सेवा नियम, 1969 में और आगे संशोधन करते के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सचिवालय मान्युलिपिक सेवा (तृतीय संशोधन) नियम, 1973 है।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की सारीक से प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय सचिवालय मान्युलिपिक सेवा, 1969 की छठी अनुसूची में विवरानक 3 में विवरान टिप्पणी को उस की टिप्पणी 2 के रूप में पुनरांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनरांकित टिप्पणी 2 से पहले निम्नलिखित टिप्पणी मन्त्रविष्ट की जायेगी, अर्थात्:—

“टिप्पणी 1. अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित प्राविष्ट जातियों के प्रधिकारियों के मामलों पर विचार करते समय,

कार्यक्रम और प्रशासनिक सुधार विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले अनुदेशों के अनुसार स्थान आरक्षित किये जायेंगे।”

[सं 7/27/71—के सं 2]  
पी.एल. गुप्ता, उप-सचिव

## CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 24th November, 1973

S.O. 3362.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Stenographer Service Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Third Amendment) Rules, 1973.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Sixth Schedule to the Central Secretariat Stenographers Service, 1969, in paragraph 3, the existing Note shall be renumbered as Note 2 thereof, and before Note 2

as so renumbered, the following Note, shall be inserted, namely :—

"Note 1.—While considering the cases of Officers belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, reservation shall be made in accordance with such instructions as may be issued by the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat from time to time."

[No. 7/27/71-CS. II.]

P. L. GUPTA, Deputy Secy.

### भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1973

का. आ. 3363.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-विद्याश निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर दास पेसुमल, गौहरगंज, जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपरीक्षित समय के अन्वर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्यापौं का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

आँर, यसः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और उक्त उम्मीदवार इवारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचलत्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ठाकुर दास पेसुमल को संसद के किसी भी सदन में या किसी राज्य की विधान-सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहत घोषित करता है।

[सं. म. प्र. लो. सं./29/71(2)]

### ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 26th October, 1973

S.O. 3363.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakurdas Pesumal, Resident of Goharganj, District Raisen (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 29-Vidisha constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakurdas Pesumal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/29/71(2)]

आदेश

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1973

का. आ. 3364.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-छपरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मक्सूदन सिंह, प्राम नूरनगर काही, पा. जलालपुर बाजार, जिला सारण (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गए नियमों द्वारा अपरीक्षित अपने निर्वाचन व्यापौं का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

आँर, यसः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचलत्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मक्सूदन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहत घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. सं./8/71(14)]

### ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

S.O. 3364.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Maksudan Singh, Village Nur Nagar, Kahl, P.O. Jalalpur Bazar, Distt. Saran (Bihar) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 6-Chapra constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maksudan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/6/71(14)]

आदेश

का. आ. 3365.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 27-सीधाना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाल किशन सिंह, प्राम हकाम, पा. सीधाना (सारण) बिहार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गए नियमों द्वारा अपरीक्षित अपने निर्वाचन व्यापौं का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

आँर, यसः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचलत्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शाल किशुन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं. विधार्निव. स./27/72(32)]

#### ORDER

**S.O. 3365.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balkishun Singh, Village Hakam, P.O. Siwans, Saran (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 27-Siwan constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balkishun Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/27/72(32)]

#### आदेश

नई विल्ली, 19 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3366.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पंजाब विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 19 प्राटारी निर्वाचन थोक से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुलेखनसिंह, ग्राम पोहला, पौ. तिगपुरा, तहसील तरन-तारन, जिला अमृतसर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उस सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रघुवंश सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस ग्रामेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं. विधार्निव. स./46/72(33)]

ए. एन. सैन, सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 19th November, 1973

**S.O. 3366.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raghubans Singh, village Jaintipur, P.O. Dighwara, District Saran who was a contesting candidate for election

to the Bihar Legislative Assembly from 46-Sonepur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raghubans Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/46/72(33)]

A. N. SEN, Secy.

#### आदेश

नई विल्ली, 7 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3367.**—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पंजाब विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 19 प्राटारी निर्वाचन थोक से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुलेखनसिंह, ग्राम पोहला, पौ. तिगपुरा, तहसील तरन-तारन, जिला अमृतसर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुलेखन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस ग्रामेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

[सं. पंजाब वि. स० /19/72 (21)]

वी. नागसुब्रामण्यन, सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

**S.O. 3367.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sulekhan Singh, Village Pohla, P. O. Singhpura, Tehsil Tarn-Taran, District Amritsar (Punjab), a contesting candidate in the general election held in March, 1972 to the Punjab Legislative Assembly from 19-Attari constituency, has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sulekhan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this Order.

[No. PB-LA/19/72 (21)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई चिल्ली, 19 नवम्बर, 1973

का. आ. 3368.—सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से, श्री डॉ बालगोपालन, विशेष सचिव कर्नाटक सरकार, विधि और संसदीय कार्य विभाग, को 12 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से प्रगते भविष्यों तक, कर्नाटक राज्य के लिये मुख्य निर्वाचन आयोग के रूप में एतद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं० 154/मैसूर/73]

बी० एन० भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 19th November, 1973

S.O. 3368.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri D. Balagopalan, Special Secretary to Government, Department of Law and Parliamentary Affairs, as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from the forenoon of 12th November, 1973 and until further orders.

[No. 154/MY/73]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

विधि, न्याय एवं काम्यनी कार्य मंत्रालय  
(काम्यनी कार्य विभाग)

नई चिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का. आ. 3369.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रधा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नांकित उपकरणों के कार्यकृत अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण के निरस्तीकरण का अधिसूचित करती हैः—

- मैं. नार्थकूक जूट काम्यनी लिमिटेड  
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 515/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)
- मैं. छलहाँजी जूट काम्यनी लिल.  
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 516/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)
- मैं. एफ. हवल्यू. हॉलिस एण्ड काम्यनी (प्राइवेट) लिल.  
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 510/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)

[संख्या 22/45/72-एम. 2]

ए. के. धोष, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 26th November, 1973

S.O. 3369.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of registration of the following undertakings under the said Act :—

1. M/s. Northbrook Jute Company Limited (Certificate of Registration No. 515/1970 dated the 11th November, 1970).

2. M/s. Dalhousie Jute Company Limited (Certificate of Registration No. 516/1970 dated the 11th November, 1970).
3. M/s. F. W. Heilgers & Co. (Private) Limited. (Certificate of Registration No. 510/1970 dated the 11th November, 1970).

[No. 22/45/72-M(II)]

A. K. GOSH, Under Secy.

पूर्ण मंत्रालय

नई चिल्ली, 24 नवम्बर, 1973

का. आ. 3370.—प्रण्डमान व निकोबार द्वीप समूह भू-राजस्व और भूमि सुधार विनियम, 1966 (1966 का 2) के खण्ड 46 के उप-खण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रण्डमान व निकोबार द्वीप समूह के उपायुक्त श्री रमेश चंद्र को उक्त विनियम के प्रयोजन के लिये बन्दोबस्त आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० 23/4/73—ए० एन० एल०]

कै० कै० गुप्ता, उप सचिव

New Delhi, the 24th November, 1973

S.O. 3370.—In pursuance of Sub-Section (1) of Section 46 of the Andaman and Nicobar Islands Land Revenue and Land Reforms Regulation, 1966 (2 of 1966), the Central Government hereby appoints Shri Ramesh Chandra, Deputy Commissioner, Andaman & Nicobar Islands to be the Settlement Commissioner for the purpose of the said regulation.

[No. 23/4/73-ANL]

K. K. GUPTA, Deputy Secy.

विस्त भू-मंत्रालय

(राजस्व और भीमा विभाग)

नई चिल्ली, 30 अक्टूबर, 1973

आय-कर

का. आ. 3371.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (2) के अनुसरण में, विभागीय जांच आयकरों को, जिन्हें विभागीय जांच (सार्विक्षणीय की हाजरी कराना और दस्तावेजों का पेश करना) अधिनियम, 1972 की धारा 3 के खण्ड (ख) में वर्णित जांच प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (2) के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 491 (फा. सं. 403/13/73-आई टी सी सौ)]

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 30th October, 1973

INCOME TAX

S.O. 3371.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Commissioners for Departmental Enquiries who have been appointed as the Inquiring Authority mentioned in clause (b) of Section 3 of the Departmental Enquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 for the purposes of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961.

[No. 491(F. No. 403/13/73-ITCC)]

नई विस्ती 31 अक्टूबर, 1973

प्राप्ति

का. आ. 3372.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) इवारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्व/श्री आर. दी. ठाक्कर और आर. सी. पाठक को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपरिवर्त अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन करन्वस्तुती अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं. 253 (फा. सं. 404/274/72-आई टी सी सी) तारीख 2 जनवरी, 1973 के अन्तर्गत की गई श्री बी. के. सोनारा की नियुक्ति को रद्द किया जाता है।

3. यह अधिसूचना सुरक्षा प्रवर्त होगी।

[सं. 492 (फा. सं. 404/194/73-आई टी सी सी)]

एम. एन. नाम्बियार, अवर सचिव

New Delhi, the 31st October, 1973

#### INCOME TAX

**S.O. 3372.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S./Shri R. D. Thakkar and R. C. Pathak who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of Shri B. K. Sonara made under Notification No. 253 (F. No. 404/274/72-ITCC) dated 2nd January, 1973 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with immediate effect.

[No. 492 (F. No. 404/194/73-ITCC)]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

आवेदा

नई विस्ती, 8 दिसम्बर, 1973

(स्टाम्प)

का. आ. 3373.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) इवारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से, जो जम्मू और कश्मीर राज्य वित्त निगम इवारा जारी किए जाने वाले प्रकास लाख रुपए अंकित मूल्य के बन्ध पर्यां पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, छूट देती है।

[सं. 33/73-स्टाम्प/फा. सं. 471/66/73-का. 7]

#### ORDER

New Delhi, the 8th December, 1973

#### STAMPS

**S.O. 3373.**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds to the face value of fifty lakhs of rupees, to be issued by the Jammu and Kashmir State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 33/73-Stamps/F. No. 471/66/73-Cus. VII]

का. आ. 3374.—केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) इवारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुम्बई नगर नियम, मुम्बई को, उक्त नियम डारा जारी किये गये पन्द्रह करोड़ और पैतालीस लाख रुपये के अकित मूल्य के निम्नलिखित उधार दिवेचरों पर उद्ग्रहणीय स्टाम्प-शुल्य भद्दे प्रभार्य और शरणार्थी राहत स्टाम्प मद्दे प्रधिभार पन्द्रह लाख पैतालीउत्तर हजार और तीन सौ अड़तालीस रुपये मात्र के समेकित स्टाम्प शुल्क का संवाद करने के लिए अनुमति देती है:

जारी किए जाने वाले दिवेचर और वर्ष	अकित मूल्य (रुपयों) में
1971-72 के लिए 1-उधार	20,00,000
1972-73 के लिए 2-3 उधार	4,00,00,000
1971-72 के लिए 1-उधार	25,00,000
1972 के लिए 3475-उधार	11,00,00,000

सं. 34/73-स्टाम्प (फा. सं. 471/54/73-सीमा० 7)

जे० रामकृष्णन, भवर सचिव

#### ORDER

**S. O. 3374.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Bombay Municipal Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees fifteen lakhs forty five thousands and three hundred forty eight only chargeable on account of the stamp duty and surcharge on account of the Refugee Relief Stamps leviable on the following loans debentures of the face value of rupees fifteen crores and forty five lakhs issued by the said Corporation :

Debentures to be issued and year	Face value in (Rs.)
1-Loan for 1971-72	20,00,000
3-Loan for 1972-73	4,00,00,000
1-Loan for 1971-72	25,00,000
3475-Loan for 1972	11,00,00,000

[No.34/73 Stamps (F. No. 471/54/73-Cus. VII)]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

मयी दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का. आ. 3375.—बैंकिंग विभागमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध दी पंजाब एंड सिध्द बैंक लिमिटेड, मयी दिल्ली पर उनकी देहरादून स्थित सम्पत्ति अधिसंस्थि इस्यैमरी रोड पर स्थित ग्राहाता नं. 4 जिसमें रिहायशी क्वार्टर और दुकानें हैं तथा मोती बाजार स्थित दुमंजली बिल्डिंग नं. 33/32 के बारे में छ: अक्टूबर, 1974 तक लागू नहीं होंगे।

[सं. 15(30)-बी० आ० 3/73]

मे० भा० उसगांवकर, भवर सचिव

## (Department of Banking)

New Delhi, 21st November, 1973

**S.O. 3375.**—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply till the 6th October 1974 to the Punjab & Sind Bank Ltd., New Delhi in respect of the two properties viz., premises No. 4 consisting of residential quarters and shops at Dispensary Road and double storeyed building No. 33/32, Moti Bazar, both held by it at Dehradun.

[No. 15(30)-B. O. III/73]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1973

आष्टकर

**का. आ. 3376.**—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का और इस निर्मित उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शर्कितयों का प्रयोग करते हुए और अपने पूर्ववर्ती आदेश सं. 102 (फा. सं. 261/14/72-आई टी जे) तारीख 2 जून, 1972 को भागत उपान्तरित करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निवेश देता है कि इससे उपावदिध अनुसूची में क्रम सं. 2 में पटना 'ख' रेंज के अन्तर्गत आयकर सर्किल, बिहारशरीफ उसके स्तम्भ 3 में मध्य (4) के रूप में जोड़ा जाएगा।

यह अधिसूचना 22 फरवरी, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 298 (फा. सं. 261/6/73-आई टी जे)]

एस. एन. एल. अग्रवाल, अवर सचिव

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st February, 1973

## INCOME-TAX

**S.O. 3376.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf and in partial modification of its earlier order No. 102 (F. No. 261/14/72-ITJ) dated the 2nd June, 1972 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in the Schedule annexed thereto in Sl. 2 under Patna 'B' Range, J.T. circle, Biharsharif shall be added as item (iv) in column 3 thereof.

This notification shall take effect from 22-2-73.

[No. 298 (F. No. 261/6/73-ITJ)]

S. N. L. AGGARWALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1973

आष्टकर

**का. आ. 3377.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों और उसे इस निर्मित समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शर्कितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं. 100 (फा. सं. 261/7/72-आई

टी जे) तारीख 31 मई, 1972 से उपावदिध अनुसूची में निम्न-लिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

2. उक्त अनुसूची में रेंज 2, जबलपुर के सामने स्तम्भ 2 में निम्नलिखित का लोप किया जाएगा : सं. 2 आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, जबलपुर और सं. 4 आयकर अधिकारी, छ-वार्ड, जबलपुर।

3. उक्त अनुसूची में रेंज 3, जबलपुर के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

8. आयकर अधिकारी, घ-वार्ड, जबलपुर।

9. आयकर अधिकारी, छ-वार्ड, जबलपुर।

10. ऐसे मामलों में, जिनमें वर्तमान अधिकारीता, आयकर अधिकारी ज-वार्ड, जबलपुर में निवास की गई है, सी.आई.टी. की अधिसूचना सं. 22/आई.टी./एम पी/72 तारीख 25-7-1972 दर्तीय, आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, जबलपुर द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध सहायक आयकर (अपील), विशेष रेंज, जबलपुर के सामने लाभित सभी अपीलें।

11. ऐसे मामलों में, जिनमें वर्तमान अधिकारीता आयकर अधिकारी दमोह में निवास की गई है, सी.आई.टी. की अधिसूचना सं. 191 आई.टी./एम पी/72 तारीख 25 जुलाई, 1972 दर्तीय, आयकर अधिकारी, क-वार्ड, सागर के आदेशों के विरुद्ध सहायक आयकर (अपील) विशेष रेंज, जबलपुर के सामने लाभित सभी अपीलें।

यह अधिसूचना 12 मार्च, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 311 (फा. सं. 261/2/73-आई टी जे)]

New Delhi, the 8th March, 1973

## INCOME TAX

**S.O. 3377.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the Schedule appended to its Notification No. 100 (F. No. 261/7/72-ITJ) dated 31st May, 1972 as amended from time to time viz. :

2. In the said Schedule against Range-II, Jabalpur under Col. 2 the following shall be omitted namely : No. 2 Income-tax Officer 'D' Ward, Jabalpur and No. 4 Income-tax Officer, G-Ward, Jabalpur.

3. In the said Schedule against Range-III, Jabalpur under Col. 2 the following shall be added namely :—

8. Income-tax Officer, D-Ward, Jabalpur.

9. Income-tax Officer, G-Ward, Jabalpur.

10. All appeals pending with A.A.C., Special Range, Jabalpur against orders passed by the Income-tax Officer, B-Ward, Jabalpur in the cases in which the present jurisdiction is vested with the Income-tax Officer, H-Ward, Jabalpur vide C.I.T.'s Notification No. 22/IT/MP/72 dated 25-7-1972.

11. All appeals pending with A.A.C., Special Range, Jabalpur against orders of Income-tax Officer, A-Ward, Sagar in cases in which the present jurisdiction is vested with the Income-tax Officer, Damoh, vide C.I.T.'s Notification No. 19/IT/MP/72 dated 25-7-1972.

This Notification shall take effect from 12th March, 1973.

## Explanatory Notes :

The amendment has become necessary on account of reallocation of work for ensuring adequate work load with each Appellate Assistant Commissioner.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 311 (F. No. 261/2/73-ITJ)]

नई विली, 4 मई, 1973

का. आ. 3378.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थन दोनों वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्व प्रधिसूचनाओं को अधिकात करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तरस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सकिलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेज	आय-कर सकिल, वार्ड और जिले
(1)	(2)	(3)
1.	विशेष रेज, लखनऊ।	1. क-वार्ड सकिल-1, लखनऊ। 2. ख-वार्ड सकिल-1, लखनऊ। 3. ग-वार्ड सकिल-1, लखनऊ। 4. क-वार्ड सकिल-II, लखनऊ (जो 31-5-1968 तक और 1-8-68 से 1-6-1969 तक और तत्पश्चात् विष्मान रहा) 5. कम्पनी सकिल, लखनऊ। 6. विशेष सकिल, लखनऊ। 7. फैजाबाद। 8. लखीमपुर। 9. सम्पदा शुल्क-एवं-आयकर सकिल लखनऊ।
2.	क-रेज लखनऊ।	1. सकिल-1, लखनऊ, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं हैं : (i) क-वार्ड सकिल-1, लखनऊ। (ii) ख-वार्ड, सकिल-1 लखनऊ। (iii) ग-वार्ड, सकिल-1, लखनऊ। (v) ख-वार्ड, सकिल-1, लखनऊ। 2. वेतन सकिल, लखनऊ। 3. क-वार्ड को छोड़कर सकिल-II लखनऊ (जो कि 31-5-1968 तक और 1-8-68 से 1-6-69 तक और तत्पश्चात् विष्मान रहा)। 4. गोरखपुर।

1	2	3
3. ख-रेज लखनऊ।	1. च-वार्ड, सकिल-1, लखनऊ। 2. हरदोई। 3. बहराइच। 4. सीतापुर। 5. बस्ती। 6. गोडा। 7. आजमगढ़।	1. च-वार्ड, सकिल-1, लखनऊ। 2. सकिल-2, वाराणसी। 3. वाराणसी। 4. विशेष सकिल, वाराणसी। 5. विशेष सर्वेक्षण सकिल, वाराणसी। 6. परियोजना सकिल, वाराणसी। 7. जौनपुर। 8. बलिया।
4. वाराणसी रेज, वाराणसी।	1. सकिल-1, वाराणसी। 2. सकिल-2, वाराणसी। 3. वाराणसी। 4. विशेष सकिल, वाराणसी। 5. विशेष सर्वेक्षण सकिल, वाराणसी। 6. परियोजना सकिल, वाराणसी। 7. जौनपुर। 8. बलिया।	1. इलाहाबाद रेज, इलाहाबाद। 2. मिर्जापुर। 3. वेतन सकिल, इलाहाबाद। 4. सम्पदा-शुल्क-एवं-आयकर सकिल इलाहाबाद।
5. इलाहाबाद रेज, इलाहाबाद।	1. क-वार्ड, बरेली। 2. ख-वार्ड, बरेली। 3. हल्दवानी। 4. शाहजहानपुर। 5. नैनीताल।	6. क-रेज, बरेली
6. क-रेज, बरेली	1. बरेली सकिल, जिसमें निम्नलिखित महीं होंगे :— (i) क-वार्ड, बरेली। (ii) ख-वार्ड, बरेली। 2. पीलीभीत। 3. बदायूं। 4. अलमोड़ा। 5. चन्दोसी। 6. रामपुर। 7. काशीपुर।	7. ख-रेज, बरेली
7. ख-रेज, बरेली	1. मुरादाबाद। 2. नजीबाबाद। 3. बुलन्दशहर।	8. मुरादाबाद रेज, मुरादाबाद। 1. मुरादाबाद। 2. नजीबाबाद। 3. बुलन्दशहर।

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरी रेज को अन्तरित हो गया हो, वहाँ उस आय-कर सकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेज के, जिससे वह आय-कर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके सम्बन्ध में कायंबाही करेगा।

यह अधिसूचना 15 मई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 343 (फा० स० 261/14/73-प्राई०टी० जे०)]

New Delhi, the 4th May, 1973.

[No. 343(F. No. 261/14/73—ITD)]

**S. O. 3378** :—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof :

## **SCHEDULE**

S.No.	Ranges	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
1.	Special Range, Lucknow.	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. A-Ward Circle-I, Lucknow.</li> <li>2. B-Ward Circle-I, Lucknow.</li> <li>3. C-Ward Circle-I, Lucknow.</li> <li>4. A-Ward Circle-II, Lucknow (which existed upto 31-5-1968 and from 1-8-1968 to 1-6-1969 and thereafter)</li> <li>5. Company Circle, Lucknow.</li> <li>6. Special Circle, Lucknow.</li> <li>7. Faizabad.</li> <li>8. Lakhimpur Kheri.</li> <li>9. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Lucknow.</li> </ol>
2.	A-Range, Lucknow.	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Circle-I, Lucknow excluding: <ol style="list-style-type: none"> <li>(i) A-Ward, Circle-I, Lucknow.</li> <li>(ii) B-Ward, Circle-I, Lucknow.</li> <li>(iii) C-Ward, Circle-I, Lucknow.</li> <li>(iv) F-Ward, Circle-I, Lucknow.</li> </ol> </li> <li>2. Salary Circle, Lucknow.</li> <li>3. Circle-II, Lucknow (which existed upto 31-5-1968 and from 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter) excluding A-Ward.</li> <li>4. Gorakhpur.</li> </ol>
3.	B-Range, Lucknow	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. F-Ward, Circle-I, Lucknow.</li> <li>2. Hardoi.</li> <li>3. Bahraich.</li> <li>4. Sitapur.</li> <li>5. Basti.</li> <li>6. Gonda.</li> <li>7. Azamgarh.</li> </ol>
4.	Varanasi Range, Varanasi.	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Circle-I, Varanasi.</li> <li>2. Circle-II, Varanasi.</li> <li>3. Varanasi.</li> <li>4. Special Circle, Varanasi.</li> <li>5. Special Survey Circle, Varanasi.</li> <li>6. Project Circle, Varanasi.</li> <li>7. Jaunpur.</li> <li>8. Ballia.</li> </ol>
5.	Allahabad Range, Allahabad.	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Allahabad.</li> <li>2. Mirzapur.</li> <li>3. Salary Circle, Allahabad.</li> <li>4. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Allahabad.</li> </ol>

1	2	3
6. A-Range, Bareilly.	1. A-Ward, Bareilly. 2. B-Ward, Bareilly. 3. Haldwani. 4. Shahjahanpur. 5. Naunital.	
7. B-Range, Bareilly.	I. Bareilly Circle excluding : (i) A-Ward Bareilly. (ii) B-Ward Bareilly. 2. Pillibhit. 3. Badaun. 4. Almora. 5. Chandausi. 6. Rampur. 7. Kashipur.	
8. Moradabad Range, Moradabad.	1. Moradabad. 2. Najibabad. 3. Bulandshahr.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 15th May, 1973.

### **Explanatory Note :**

The amendments have become necessary due to rationalising the jurisdiction of Appellate Assistant Commissioner and their work load distribution.

[No. 343 (F. No.261/14/73-ITD)]

नई दिल्ली, तारीख 8 जून, 1973

जात्यर्थ 3379.—आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शर्कियों का प्रयोग करते हुए, और इस संबंध में सभी पूर्व अधिकृत चनाप्रोटों को अधिकार करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोहे निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विविध सहायक आयकर आयुक्त (प्रीपील) उसके स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विविध आयकर सर्किलों, बाड़ी और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने हूँटों का पालन करें :—

प्रसूची

रेज	प्रायकर सकिल, बाई और जिले
1	2
1. केन्द्रीय रेज-I, मुम्बई।	प्रायकर प्रधिकारी, प्रनुभाग I, X, XI, XII, XIII, XIV, XVI, XVIII, XX, XXI पौर XXII मुम्बई पौर प्रनुभाग I पौर II, प्रहमदाबाद की प्रधिकारिता के घर्षीन सभी मामले।

1

2

2. केन्द्रीय रेंज II, मुम्बई

आयकर शक्तियां भनुभाग II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, XV, XVII, XIX, और XXIII  
(केन्द्रीय), मुम्बई की अधिकारिता के अधीन वासी मामले।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आयकर संकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए नियरेंजों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समझ लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त संकिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 16 जून, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 370 (फा० सं० 261/13/73-आईटी० ज०)]  
New Delhi, the 8th June, 1973.

**S.O. 3379 :-**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax specified in Column (1) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column (2) thereof :

#### SCHEDULE

Range	Income-Tax Circle Wards & District
1. Central Range-I Bombay.	All cases under the jurisdictions of Income-tax Officer, Sections I, X, XI, XII, XIII, XIV, XVI, XVII, XX, XXI & XXII at Bombay and Sections I & II at Ahmedabad.
2. Central Range -II, Bombay.	All cases under the jurisdictions of Income-tax Officers, Sections II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, XV, XVII, XIX & XXIII (Central), Bombay.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from the 16th June, 1973.

#### EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary on account of abolition of the charge of A.A.C. Central Range-III, Bombay and redistribution of work amongst the A.A.Cs.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 370(F. No. 261/13/73—IT)]

फा० सं० 3380—आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उस निमित्त उसको समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अधिसूचना सं० 155 (फा० सं० 261/18/72-आई टी जे) तारीख 11-8-1972 को उपाल्लित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निवेश देता है कि नीचे के अनुसूची के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके सतम्भ (3) में की तस्वीरी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उन आयकर संकिलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर या बनकर या आयकर के लिए निर्धारित सभी अधिकारियों और आयों के बारे में भ्रमने हुए यों का पालन करते जिनके अन्तर्गत ये आयकर संकिल, वार्ड और जिले नहीं हैं जो अधिसूचना 371 (फा० सं० 261/12/73-आई टी जे) तारीख 8-6-1973 द्वारा सम्पदा-ग्रुप/नियन्त्रक (अपील), हैदराबाद के विनिर्दिष्ट: आवंटित किए गए हैं और जिनके अन्तर्गत ये अपीलें नहीं हैं जो (1) आदेश सं० 150 (फा० सं० 262/183/71-आई टी जे), तारीख 17-8-1971 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील) विजयवाडा रेंज से सहायक आयकर आयुक्त (अपील) गुन्तुर रेंज को, (2) आदेश सं० 48 (फा० सं० 262/26/72-आई टी जे), तारीख 22-3-1972 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील), वर्धे-रेंज, हैदराबाद से सहायक आयकर आयुक्त (अपील), कर-रेंज हैदराबाद को और (3) आदेश सं० 145 (फा० सं० 262/48/72-आई टी जे) तारीख 11-8-1972 द्वारा यथा संशोधित आदेश सं० 84 (फा० सं० 262/48/72-आई टी जे) तारीख 14-4-1972 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील), विजयवाडा, रेंज से सहायक आयकर आयुक्त (अपील) विशेष रेंज, हैदराबाद को विनिर्दिष्ट: अन्तरित की गई है:

#### अनुसूची

क्रम सहायक आयुक्त (अपील) की जिला	आयकर संकिल, वार्ड और जिला
सं०	रेंज

1	2	3
1 विशेष रेंज, हैदराबाद।	1. कम्पनी संकिल, हैदराबाद।	
	2. सिकंदराबाद का कम्पनी संकिल हैदराबाद।	
	3. कम्पनी संकिल (पुराना), हैदराबाद।	
	4. विशेष संकिल-I, हैदराबाद।	
	5. विशेष संकिल-II, हैदराबाद।	
	6. विशेष संकिल, हैदराबाद।	
	7. केन्द्रीय संकिल, हैदराबाद।	
	8. केन्द्रीय संकिल, (पुराना) हैदराबाद।	
	1 संकिल-II, हैदराबाद।	
	2. संकिल-II, (पुराना), हैदराबाद।	
	3. संकिल-III, हैदराबाद।	
	4. वेतन संकिल, हैदराबाद।	

1	2	3
3 रेंज, हैदराबाद	1. सर्किल-I, हैदराबाद। 2. परियोजना सर्किल, हैदराबाद। 3. कोथायुडम। 4. बारंगल सर्किल। 5. एम० पी० पी० सर्किल, हैदराबाद। 6. करीमनगर। 7. खन्माम। 8. मिर्माल। 9. सोगरेडी।	
4. विशाखापत्तनम रेंज, विशाखापत्तनम	1. विशाखापत्तनम। 2. विजयनगरम सर्किल। 3. श्री काकलम। 4. बाबिली (पुराना) 5. अनकापलली। 6. सर्किल-I, काकीनाडा। 7. सर्किल-II, काकीनाडा। 8. रामचन्द्रपुरम (पुराना)। 9. काकीनाडा (पुराना)। 10. भ्रमलापुरम। 11. राजाहम्मन्दरी।	
5. विजयवाडा रेंज, विजयवाडा	1. पालाकोल। 2. विजयवाडा। 3. मछलीपट्टम। 4. एलुरु। 5. टानुकू।	
6. गुन्तुर रेंज, गुन्तुर	1. गुन्तुर। 2. नेल्लोर। 3. माइका सर्किल, नेल्लोर। 4. कुरुक्कल। 5. नोदयाल। 6. अदोती। 7. देनाली। 8. बापटला। 9. कुटीवाडा।	
7-ग्रन्तपुर रेंज, ग्रन्तपुर।	1. ग्रन्तपुर। 2. हिन्दूपुर। 3. चित्तूर। 4. तिलपति। 5. महबूबनगर। 6. प्रोजेक्चर। 7. कुड्पा।	

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को ग्रन्तरित हो गया हो वहाँ उस आयकर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निधारिणों के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिसमें वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग ग्रन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष सम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभागी होने

की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका ऐसे भाग ग्रन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को ग्रन्तरित कर दी जाएंगी जो उसके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1973 से प्रभागी होगी।

[सं. 372 (फा० सं. 261/12/73-आई टी जे)]

**S. O. 3380**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in modification of Notification No. 155(F.No. 261/18/72-ITJ) dated 11-8-1972, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in Column (2) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax or Wealth-tax or Gift Tax or Expenditure Tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in corresponding entry in column (3) thereof, excepting those that have been specifically allotted to the Appellate Controller of Estate duty, Hyderabad by Notification No. 371 (F. No. 261/12/73-ITJ) dated 8-6-1973 and the appeals specifically transferred (1) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Vijayawada Range to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Gunture Range, by Order No. 150 (F.No. 262/183/71-ITJ) dated 17-8-1971 (2) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax 'B' Range, Hyderabad to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax A-Range, Hyderabad by Order No.48 (F.No. 262/26/72-ITJ) dated 22-3-1972 and (3) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Vijayawada Range to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Special Range, Hyderabad by Order No. 84 (F.No. 262/48/72-ITJ) dated 14-4-1972 as amended by Order No. 145 (F.No. 262/48/72-ITJ) dated 11-8-1972 :

#### SCHEDULE

Sl. No. Appellate Assistant Commissioner's Range. Income-tax Circle, Ward and District.

1	2	3
1. Special Range, Hyderabad.	1. Company Circle, Hyderabad. 2. Company Ward of Secunderabad Circle, Hyderabad. 3. Company Circle (Old), Hyderabad. 4. Special Circle-I, Hyderabad. 5. Special Circle-II, Hyderabad. 6. Special Circle, Hyderabad. 7. Central Circle, Hyderabad. 8. Central Circle (Old) Hyderabad.	
2. A-Range, Hyderabad.	1. Circle-II, Hyderabad. 2. Circle II (Old), Hyderabad. 3. Circle-II, Hyderabad. 4. Salary Circle, Hyderabad.	
3. B-Range, Hyderabad.	1. Circle-I, Hyderabad. 2. Project Circle, Hyderabad. 3. Kothagudem. 4. Warangal Circle. 5. M.P.P. Circle, Hyderabad. 6. Karimnagar. 7. Khammam. 8. Nirmal. 9. Sangareddy.	

1	2	3
4. Visakhapatnam Range, Visakhapatnam.	1. Visakhapatnam. 2. Vizianagaram Circle. 3. Srikakulam. 4. Bobbili (Old). 5. Anakapalli. 6. Circle-I, Kakinada. 7. Circle-II, Kakinada. 8. Ramachandrapuram (Old). 9. Kakinada (Old). 10. Amalapuram. 11. Rajahmundry.	
5. Vijayawada Range, Vijayawada.	1. Palacole. 2. Vijayawada. 3. Machilipatam. 4. Eluru. 5. Tanuku.	
6. Guntur Range, Guntur.	1. Guntur. 2. Nellore 3. Mica Circle, Nellore. 4. Kurnool 5. Nandyal 6. Adoni 7. Tadpatri. 8. Bapatla. 9. Cudivada.	
7. Anantapur Range, Anantapur.	1. Anantapur. 2. Hindupur. 3. Chittoor. 4. Tirupathi. 5. Mahaboobnagar. 6. Proddatur. 7. Cuddapah.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from which the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred, shall from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range, to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification, shall take effect from 1st July, 1973.

#### EXPLANATORY NOTE

The amendments have become necessary on account of reallocation of jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax in the Charges of Andhra Pradesh. (This note does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 372(F. No. 261/12/73--ITJ)]

का०आ० 3381-(i) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (i) और धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 9 की उपधारा (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त उसको समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना संख्या 156 (फा० स० 261/18/72 आई दी जे) सारीज्ञ 11-8-1972 के उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर

दोष निवेश देता है कि सम्पदा-पुळक नियंत्रक (भ्रील), हैदराबाद के रूप में नियुक्त सहायक आयुक्त (भ्रील), सम्पदा-पुळक नियंत्रक (भ्रील) हैदराबाद के क्षेत्रों के साथ साथ निजामाबाद संकिल में आयकर अधिकारी, दान-कर, धन-कर और व्यय-कर के लिए निर्धारित सभी शक्तियों और आयों की वाबत और नीचे के स्तम्भ 3 में विविधिष्ट आयकर, संकिलों, बाड़ी और जिलों में आयकर से भिन्न प्रत्यक्ष-करों अथवा दानकर, धनकर और व्ययकर के लिए निर्धारित सभी शक्तियों के बारे में सहायक आयुक्त (भ्रील) के उन क्षेत्रों का भी पालन करेंगे, जिन क्षेत्रों का पालन स्तम्भ 2 में लिखित सहायक आयुक्त (भ्रील) नहीं करेगा :—

#### अधिसूची

क्रम सहायक आयुक्त सं० (भ्रील) की रेंज	आय-कर संकिल, बाड़ी/जिला
--	-------------------------

1	2	3
1. क-रेंज, हैदराबाद	1-संकिल-II हैदराबाद ।	
	2-संकिल-II (पुराना), हैदराबाद	
	3-संकिल III, हैदराबाद	
	4-वेतन संकिल, हैदराबाद ।	
1. ख-रेंज, हैदराबाद ।	1-संकिल-I, हैदराबाद ।	

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल, बाड़ी या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर संकिल, बाड़ी या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर संकिल, बाड़ी या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (भ्रील) के सम्भ लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त संकिल बाड़ी या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (भ्रील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 371 (फा० सं० 261/12/73-आई दी जे)]

S.O.3381.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and (ii) section 9 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in that behalf and in modification of Notification No.156 (F.No.261/18/72-ITJ) dated 11-8-1972, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner appointed to be an Appellate Controller of Estate Duty, Hyderabad, shall in addition to the functions of Appellate Controller of Estate Duty, Hyderabad also perform the functions of Appellate Assistant Commissioner in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax, Super-tax, Gift Tax, Wealth Tax and Expenditure Tax in the Nizamabad Circle, and in respect of all persons assessed to Direct Taxes other than Income-tax, viz., Gift-tax, Wealth-tax and Expenditure tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in Column 3 below, which functions the Appellate Assistant Commissioner noted in column 2, shall not perform.

## SCHEDULE

Sl.No.	Appellate Assistant Commissioner's Range.	Income-tax Circle, Ward, District.
1	2	3
1.	A-Range, Hyderabad.	1. Circle-II, Hyderabad. 2. Circle-II (Old), Hyderabad. 3. Circle-III, Hyderabad. 4. Salary Circle, Hyderabad.
1.	B-Range, Hyderabad.	1. Circle-I, Hyderabad.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from which the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date of this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st July, 1973.

## EXPLANATORY NOTE

The amendments have become necessary on account of re-allocation of jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax in the Charges of Andhra Pradesh. (This note does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 371 (F.No.261/12/73-ITJ)]

**का. आ. 3382.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियाँ और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बांध समयसमय पर यासंशाधित, अपनी अधिसूचना सं. 49 (261/13/72-आई टी जे) तारीख 4-3-1972 से उपायकर अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :**

उक्त अनुसूची में, 'आसनसोल रेंज' आसनसोल को 'कर्ज' आसनसोल के रूप में पुनः अभिहित किया जायेगा और हस रेंज के सामने की प्रविष्टियाँ के स्थान पर निम्नलिखित रखी जायेंगी :—

"कर्ज, आसनसोल" आसनसोल के सामने :—

- आयकर सर्किल, आसनसोल (क, ख और ग वार्ड)
- आयकर सर्किल, बंकरपुरीलिया (अतीरिक्त क और ख वार्ड) उसके पश्चात् निम्नलिखित जोड़े जायेंगे :—

"खर्ज, आसनसोल," आसनसोल :—

- आयकर सर्किल, आसनसोल (क, ख और ग वार्ड से मिल)
- आयकर सर्किल, बंकरपुरीलिया (क-वार्ड)

यह अधिसूचना 1-7-73 से प्रभावी होगी।

[सं. 369 (फा. सं. 61/9/73-आई टी जे)]

**S.O. 3382.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 49 (261/13/72-ITJ) dated 4-3-1972 as amended from time to time, viz :

In the said Schedule 'Asansol Range' Asansol shall be redesignated as 'A'-Range, Asansol and the entries against this Range shall be substituted by the following :—

Against 'A Range, Asansol', Asansol :—

- I.T. Circle, Asansol (A, B, & C Wards)
- I.T. Circle, Bangura-Purulia (Addl. A & B Wards)

After that the following shall be added :—

'B-Range, Asansol', Asansol :—

- I.T. Circle, Asansol (Other than A, B, and C Wards).
- I.T. Circle, Bankura-Purulia (A-Ward).

This Notification shall take effect from the 1-7-73.

## EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary on account of creation of one more Range in the moffussil charge of Asansol and consequent revision of Appellate Assistant Commissioner's Jurisdiction in West Bengal Charge. (This does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 369 (F. No. 261/9/73-ITJ)]

नई दिल्ली, 25 जून, 1973

**का. आ. 3383—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीरामपुराताली शक्तियों को अधिकात करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड नियंत्रण देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनियिष्ट रेंजों के सहायक आयकर प्राप्तक (प्रापील) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविधियोंमें विनियिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से नियंत्रित सभी व्यक्तियों और ग्रामों के बारे में अपने फृत्यों का पालन करेंगे :—**

क्रम	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1.	विशेष रेंज, कटक	(i) केन्द्रीय सर्किल, कटक। (ii) विशेष सर्किल, कटक। (iii) सम्पदा-पुर्लक सर्किल, कटक। (iv) वार्ड-क (कम्पनी), कटक। वार्ड ख (राजस्व), कटक। वार्ड ग (राजस्व), कटक। (v) वार्ड क (कम्पनी) भुवनेश्वर।

(1)	(2)	(3)
2. कटक रेज, कटक।	(i) कटक सर्किल के वार्ड-क (कम्पनी) वार्ड-ख (राजस्व) और वार्ड-ग (राजस्व) को छोड़कर, कटक सर्किल	
	(ii) धेनकनाल सर्किल।	
	(iii) बालासोर सर्किल।	
	(iv) बेरीपाड़ा सर्किल।	
3. बेरहामपुर रेज, बेरहामपुर।	(i) बेरहामपुर सर्किल।	
	(ii) जैपोर सर्किल।	
	(iii) तितिलागढ़ सर्किल।	
	(iv) बालागीर सर्किल।	
	(v) पुरी सर्किल।	
	(vi) वार्ड-ख (वेतन) मुवनेश्वर सर्किल।	
4. रुरकेला रेज, रुरकेला।	(i) साम्बलपुर सर्किल।	
	(ii) मारम्बूजा सर्किल।	
	(iii) रुरकेला सर्किल।	

जहाँ तक अधिसूचना द्वारा कोई भाग-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरी रेज को प्रतिरित हो गया हो वहाँ उस भाग-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्वाचितों के परिणामस्वरूप को गई भागीले, जो इस अधिसूचना की तारीख से छीक पहले उस रेज के, जिससे वह भाग-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग घन्तरित कर दिया गया है, सहायक भायुक्त (प्रपोल) के समझ लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग घन्तरित कर दिया गया है, सहायक भायुक्त (प्रपोल) को घन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 2 जुलाई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 391 (फा. सं. 261/10/73—आई. टी. जे. ०)]

सी. बी. पद्मनाभन, अवर सचिव

New Delhi, the 25th June, 1973.

**S.O. 3383**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof:—

#### SCHEDULE

Sl.No.	Range	Income-tax Circle, Wards or Districts
(1)	(2)	(3)
1. Special Range, Cuttack.		(i) Central Circle, Cuttack. (ii) Special Circle, Cuttack. (iii) Estate Duty Circle, Cuttack. (iv) Ward-A (Companies), Cuttack. (v) Ward-B (Revenue), Cuttack. Ward-C (Revenue), Cuttack. (vi) Ward-A (Companies), Bhubaneswar.

(1)	(2)	(3)
2. Cuttack Range, Cuttack.		(i) Cuttack Circle excluding Ward-A (Companies), Ward-B (Revenue) and Ward-C (Revenue) of Cuttack Circle. (ii) Dhenkanal Circle. (iii) Balasore Circle. (iv) Baripada Circle.
3. Berhampur Range, Berhampur.		(i) Berhampur Circle. (ii) Jeypore Circle. (iii) Titilagarh Circle. (iv) Balangir Circle. (v) Puri Circle. (vi) Ward-B (Salaries) Bhubaneswar Circle.
4. Rourkela Range, Rourkela.		(i) Sambalpur Circle. (ii) Jharsuguda Circle. (iii) Rourkela Circle.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District of part thereof is transferred shall, from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

#### EXPLANATORY NOTE

This amendment has become necessary due to abolition of Bhubaneswar Range of Appellate Assistant Commissioner and the consequential redistribution of workload among the remaining Appellate Assistant Commissioners of Income-tax.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

This Notification shall take effect from 2nd July, 1973.

[No. 391 (F. No. 261/10/73-ITJ)]

C.V.PADMANABHAN  
Under Secy

नई विस्ती, 23 अगस्त, 1973

#### आष-कर

**का. आ. 3384**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रथम कर्ते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निवेश देता है कि जयपुर स्थित केन्द्रीय सर्किल के बारे में कृत्य आयकर आयकर, विल्ली (केन्द्रीय) नई दिल्ली की अधिकारिता से आयकर आयकर, राजस्थान, जयपुर की अधिकारिता में अन्तरित हो जायेंगे।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 442 (फा. सं. 187/23/72-आई टी (ए आई)]

सी. बी. श्रीनिवासन, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1973

#### INCOME-TAX

**S.O. 3384**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the functions in respect of the Central Circles at Jaipur shall stand transferred from the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax, Delhi (Central), New Delhi to the

jurisdiction of the Commissioner of Income-tax, Rajasthan, Jaipur.

This notification shall take effect from 1st September, 1973.

[No. 442 (F. No. 187/23/72-IT(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

(रबड़ नियन्त्रण)

का. आ. 3385.—खड़ नियम, 1955 के नियम 3 के उपनियम (3), तथा नियम 4 के उपनियम (2) के साथ परीक्ष, खड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्विवारा यह अधिसूचित करती है कि प्लान्टेशन कापारेशन आफ केरल लि., कोट्टायम, केरल के प्रबन्ध निदेशक श्री वी. सुकुमारन नायर, आई. एफ. एस. का 4 मार्च, 1972 के अपराह्न से श्री जी. मोनी, आई. एफ. एस. के स्थान पर खड़ बोर्ड के सदस्य के रूप में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए केरल सरकार द्वारा मनोनीत किया गया है और वह भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1748 दिनांक 22 अप्रैल, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है :

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 2 के सामने विद्यमान प्रीविष्ट के स्थान पर निम्नोच्चत प्रविष्ट की जाए, अर्थात् :—

"(2) श्री वी. सुकुमारन नायर, आई. एफ. एस. प्रबन्ध निदेशक प्लान्टेशन कापारेशन आफ केरल लि., कोट्टायम, केरल !"

एस. महावेव, अवर सचिव

एस. महावेव अध्यय, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 27th November, 1973

(RUBBER CONTROL)

S.O. 3585.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act, 1947, (24 of 1947), read with sub-rule (3) of rule 3, and sub-rule (2) of rule 4, of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby notifies that Shri V. Sukumaran Nair, I.F.S., Managing Director, Plantation Corporation of Kerala Limited, Kottayam, Kerala has been nominated by the Government of Kerala to represent that State as a member of the Rubber Board, vide Shri G. Moni, I.F.S., with effect from the afternoon of 4th March, 1972 and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 1748, dated the 22nd April, 1971, namely :—

In the said notification, against Serial No. 2, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"(2) Shri V. Sukumaran Nair, I.F.S., Managing Director, Plantation Corporation of Kerala Limited, Kottayam, Kerala".

[F. No. 25012/3/71-Plant(B)]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

(आंतरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

का. आ. 3386.—केन्द्रीय सरकार, दी कानपुर कमार्डिटी एस-चेन्ज लि. कानपुर द्वारा मान्यता के पूर्णवीकरण के लिए अधिग्राम संविधा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा

5 के अधीन दिये गये आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर यह एसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 8 द्वारा प्रबल्ल शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एस-चेन्ज को गृह की अधिग्राम संविधा की बाबत 26 नवम्बर 1973 से लेकर 25 नवम्बर, 1974 तक (जिसमें वे दोनों दिन सम्मिलित हैं), एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2. एतद्विवारा प्रबल्ल मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है यह उक्त एस-चेन्ज वायदा बाजार आयोग द्वारा समर्थ-समय पर विचार जाने वाले निवेशों का अनुपालन करेगी ।

[सं. 12(19)-आई. ए. 73]

यू. प्ल. राणा, संयुक्त निवेशक

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 27th November, 1973

S.O. 3386.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Kanpur Commodity Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest to do so, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 26th November, 1973 upto the 25th November, 1974 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(19)-IT/73.]

U. S. RANA, Joint Director

(मूल्य नियन्त्रक आयात-मिर्चत का कार्यालय)

आवेदन

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1973

का. आ. 3387.—सर्वश्री हिन्दुस्तान लेटेंस लि., मध्य भवन, कनाट प्लैस, नई दिल्ली-1 का 1,17,350 रु. (एक लाख सप्तसून हजार तीन सौ पचास रुपये मात्र) के लिए एक आयात साथसाँस में आई/ए/1046778/सी/एक्स/40/एच/33-34 दिनांक 28-8-71 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त ताइसेन्स की सीमाशूलक निकासी प्रति की अनीलीप जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शूलक निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमा-शूलक निकासी प्रति मद्रास में सीमा-शूलक प्रार्थकारियों से पंजीकृत कराई गई थी और उसका उपयोग पूर्णरूपेण कर लिया था। यह 1,16,250/- रुपये के लिए उपयोग की गई थी और इस पर 1100/- रुपये का उपयोग करना शोष था।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदन ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। सहनसार, मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शूलक निकासी प्रति खो गई है। इसीलाए, धरातल-संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1935 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी सी) द्वारा प्रबल्ल अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री हिन्दुस्तान लेटेंस लि., नई दिल्ली को जारी किए गए गांधी साइक्सेन्स सं. आई/ए/1046778/

सी/एक्स एक्स/40/एच/33-34 दिनांक 28-8-71 की उक्त मूल सीमांशुल्क निकासी प्रति एतत्त्वारा रद्द की जाती है।

3. उक्त लाइसेंस की सीमांशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि लाइसेंसधारी को अलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं. यू. डी./40-एच/71-72/पी. एल. एस.(ए)]  
सरदूल सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

#### ORDER

New Delhi, the 1st November, 1973

**S.O. 3387.**—M/s. Hindustan Latex Ltd., Mayur Bhawan, Connaught Place, New Delhi-1, were granted an import-licence No. I/A/1046778/C/XX/40/H/33.34 dated 28-8-71 for Rs. 1,17,350 (Rupees One lakh, seventeen thousand, three hundred and fifty only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original Customs Purposes copy was registered with the Customs authorities at Madras and utilised fully. It was utilised for Rs. 1,16,250 and the balance available on it was Rs. 1,100.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended the said original Customs Purposes copy of licence No. I/A/1046778/C/XX/40/H/33.34 dated 28-8-71 issued to M/s. Hindustan Latex Ltd., New Delhi is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[File No. UD/40-H/71-72/PLS(A)]  
SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

#### आवेदन

नहीं विल्ली, 26 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3388.**—यथासंशोधित आयात (नियन्त्रण) आवेदन 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा-9 इवारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोस्तात्तरी एतद्वारा सर्वश्री फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इन्डिया लि. योजना तथा विकास प्रभाग, सी आई एफ टी ब्रिलिंग, डाकघर सिन्धरी, जिला धनबाद, बिहार को 35,24,500/- रुपये (पैंतीस लाख चाँचीस हजार पाँच सौ रुपये मात्र) के लिए इटली संभरक क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किये गये आयात लाइसेंस सं. आई/सी/2063868/डी/आई हॉ/43/एच/35-36 दिनांक 5-6-72 की सीमांशुल्क निकासी प्रति का रद्द करता है। मूल सीमांशुल्क निकासी प्रति का उपयोग किसी भी धन राशि के लिए नहीं किया गया था।

2. रद्द करने का कारण यह है कि लाइसेंस सीमांशुल्क निकासी प्रति लाइसेंसधारी से खो गई/अस्थानस्थ हो गई है जिन्होंने उसके बदले में लाइसेंस की अनुलिपि जारी करने के लिए आवेदन किया था।

[संलग्न/सी जी 2/पी एन्ड सी (10)/72-73]

#### ORDERS

New Delhi, the 26th November, 1973

**S.O. 3388.**—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the undersigned hereby cancels the Customs Purposes Copy of the Import Licence No. I/C/2053868/D/IE/43/H/35-36 dated 5-6-1972 issued under Italian Suppliers Credit for Rs. 35,24,500 (Rupees Thirty Five Lakhs, Twenty Four Thousand and Five Hundred only) issued to Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Plaining & Development Division, CIFT Building, P.O. Sindri, District Dhanbad, Bihar. The original Customs Purposes Copy of the licence was utilised for Rs. Nil.

Twenty Four Thousand and Five Hundred only) issued to Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Plaining & Development Division, CIFT Building, P.O. Sindri, District Dhanbad, Bihar. The original Customs Purposes Copy of the licence was utilised for Rs. Nil.

2. The reason for the cancellation is that the Customs Purposes Copy of the licence has been lost/misplaced by the licensee who had requested for the issue of a duplicate licence in lieu thereof.

[No. CG II/P&C(10)/72-73]

#### आवेदन

**का. आ. 3389.**—यथासंशोधित आयात (नियन्त्रण) आवेदन 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 इवारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोस्तात्तरी एतद्वारा सर्वश्री फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इन्डिया लि. योजना तथा विकास प्रभाग, सी आई एफ टी ब्रिलिंग, डाकघर सिन्धरी, जिला धनबाद, बिहार को 35,24,500/- रुपये (पैंतीस लाख चाँचीस हजार पाँच सौ रुपये मात्र) के लिए इटली संभरक क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किये गये आयात लाइसेंस सं. आई/सी/2063867/डी/आई हॉ/43/एच/35-36 दिनांक 5-6-72 की सीमांशुल्क निकासी प्रति को रद्द करता है। मूल सीमांशुल्क निकासी प्रति का उपयोग किसी भी धन राशि के लिए नहीं किया गया था।

2. रद्द करने का कारण यह है कि लाइसेंस की सीमांशुल्क निकासी प्रति लाइसेंसधारी से खो गई/अस्थानस्थ हो गई है जिन्होंने उसके बदले में लाइसेंस की अनुलिपि जारी करने के लिए आवेदन किया था।

[संलग्न/सी जी 2/पी एन्ड सी (9)/72-73]

एन. सी. कान्जीलाल, उप-मुख्य नियंत्रक,

कूट मुख्य नियंत्रक

#### ORDER

**S.O. 3389.**—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the undersigned hereby cancels the Customs Purposes Copy of the Import Licence No. I/C/2063867/D/IE/43/H/35-36 dated 5-6-1972 issued under Italian Suppliers Credit for Rs. 35,24,500 (Rupees Thirty Five Lakhs, Twenty Four Thousand and Five Hundred only) issued to Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Plaining & Development Division, CIFT Building, P.O. Sindri, District Dhanbad, Bihar. The original Customs Purposes Copy of the licence was utilised for Rs. Nil.

2. The reason for the cancellation is that the Customs Purposes Copy of the licence has been lost/misplaced by the licensee who had requested for the issue of a duplicate licence in lieu thereof.

[No. CG II/P&C(10)/72-73]

N. C. KANJILAL, Dy. Chief Controller  
for Chief Controller

#### आवेदन

नहीं विल्ली, 16 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3390.**—श्री रण बीर मिह सरण, उप-मंडल अधिकारी, लोक-निर्माण विभाग, बी एण्ड बार शाखा, पलबल को-32 बीर रिवाल्वर के आयात के लिये 760 रुपये का एक सीमांशुल्क निकासी परमिट संलग्न : पी/जे/3041098/एन/एन/44/एच/35-36, दिनांक 5-9-1972 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमांशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि के लिये हम

आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराया गया था और उसका उपयोग नहीं किया गया था। इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट संख्या : पी/जे/3041098, विनांक 5-9-1972 को खो गया है और निवेश देती हूँ कि आवेदक को एक अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी की जानी चाहिये। मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट को रह किया जाता है।

[संख्या 315-4/ग्राम-72/ए एम-73/एड्हॉक/829]

एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक,

#### ORDER

New Delhi, the 16th November, 1973

**S.O. 3390.**—Shri Ranbir Singh Saran, sub-Divisional Engineer P.W.D. B&R Branch, Palwal was granted a CCP No. P/J/3041098[N/MN/44/H/35-36 dated the 5th September, 1972 for the import of a .32 Bore Revolver worth Rs. 760. He has applied for a duplicate copy of the C.C.P. on the ground that the original C.C.P. has been lost. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs House and not utilised. In support of this contention he has filed an affidavit. I am satisfied that the original CCP No. P/J/3041098 dated the 5th September, 1972 has been lost and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to the applicant. The original C.C.P. is cancelled.

[No. 315-IV/R-72/AM73/Adhoc/829]  
S. K. USMANI, Dy. Chief Controller

(संयुक्त मण्डल-नियंत्रक, आयात नियंत्रण का कार्यालय)

#### आवेदन

बम्बई, 4 जुलाई, 1973

आ० आ० 3391.—सर्वेश्वी ओशन इलेक्ट्रिक क०, बम्बई को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) फास्फर बोन्ड फोटोस तथा (2) 18 एम-एम० से भिन्न माप की पीली की पाइपों तथा ट्यूबों के आयात के लिये लाइसेंस संख्या पी/एस/1746496, विनांक 5-11-1971 मूल्य 4,543 रु० तथा पी/एस/1746497, विनांक 5-11-1971 मूल्य 2,271 रु० स्वीकृत किये गये थे:—

“यह लाइसेंस इस शर्त के अधीन जारी किया जाता है कि इसके अन्तर्गत आयातित माल की सभी मर्दों का उपयोग लाइसेंसधारी के कारबाने में जिसका पता आवेदनपत्र में दिया गया है और जिसके मद्दे लाइसेंस जारी किया गया है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किया गया है, उपयोग किया जायेगा या अन्य निर्माणकर्ता एकक के कारबाने में संयोगित किया जा सकता है, किन्तु इसके किसी भी भाग को अन्य किसी पार्टी को बेचा नहीं जायेगा अथवा प्रत्यक्ष किसी रूप में प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन, अन्य किसी के कारबाने में संसाधित किये गये ऐसे माल का प्रयोग लाइसेंसधारी द्वारा लिये गये निम्न प्रक्रिया प्रयोजन के लिये ही किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के मद्दे आयातित माल के उपयोग और उपयोग का निर्धारित विधि अनुसार उपयुक्त लेजा रखेगा और ऐसे लेजे को लाइसेंस प्राधिकारी, प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य किसी सम्बद्ध प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्धारित समय के भीतर ही प्रस्तुत करेगा।”

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताया सूचना सं० 1/3/73/एय०/इफ, विनांक 16-4-1973 यह पूछते जारी की गई थी कि 15 विनांकों के भीतर कारण बतायें कि [उनके नाम में जारी किये गये उपर्युक्त लाइसेंसों को

वे न रख कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर व्यक्तिकृत जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किये गये थे उन्हें वे पूरा नहीं करेंगे और चूंकि उन्होंने उस समय जबकि उनके एकक का निरीक्षण उच्चोग आयुक्त, बम्बई के अधिकारियों द्वारा किया गया था, रिकार्ड को प्रमाणीकरण के लिये प्रस्तुत नहीं किया था।

3. उपर्युक्त कारण बतायों सूचना के जवाब में सर्वेश्वी ओशन इलेक्ट्रिक क०, बम्बई-69 ने कोई उत्तर नहीं दिया जबकि उपर्युक्त कारण बतायों सूचना उनके द्वारा 19-4-1973 को प्राप्त हो गई थी। उन्होंने कारण बतायों सूचना में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिये गये मौके का भी साथ नहीं उठाया था।

4. अष्टोहस्ताक्षरी ने मामले की भलीभांति जोड़ कर ली है और इस परिणाम पर पहुँचा है कि विषयाधीन लाइसेंस जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये जारी किये गये थे उन्हें वे पूरा नहीं करेंगे।

5. पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है उसे व्याप्ति में रखते हुए अष्टोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किये जाने चाहियें। इसलिये अष्टोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 उप-धारा (संती) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वेश्वी ओशन इलेक्ट्रिक क०, बम्बई के नाम जारी किये गये लाइसेंस संख्या : पी/एस/1746496 तथा पी/एस/1746497 विनांक 5-11-1971 है और उनका मल्य क्रमांक 4543 रु० तथा 2271 रु० है, उन्हें एतद्वारा रद्द करता है।

[संख्या 1/13/73/एय०/इफ]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

#### ORDER

Bombay, the 4th July, 1973

**S.O. 3391.**—Licences Nos. P/S/1746496 dated 5-11-71 for Rs. 4,543/- and P/S/1746497 dated 5-11-1971 for Rs. 2,271 for import of (1) Phospher Bronze sheets and (2) Brass pipes and tubes of sizes other than 18 m.m. were issued to M/s. Ocean Electric Co., Bombay-69 subject to the conditions as under:—

“This licence is issued subject to the condition that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purpose for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods processed in another factory shall, however be utilised in the manufacturing processes undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority or any other authority concerned within such time as may be specified by such time as may be specified by such authority.”

2. Thereafter, a show cause notice No. 1/13/73/AU/Enf dated 16-4-1973 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licences in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clause (cc) on the ground that they will not serve the purpose for which they were issued as they have not produced the records for verification when their unit was inspected by officers of the Industries Commissioners, Bombay.

3. In response to the aforesaid show cause notice, M/s. Ocean Electric Co., Bombay-69 have not given any reply even to the show cause notice acknowledged by them on 19-4-1973. They have also not availed of the opportunity for personal hearing which was afforded to them in the said show cause notice.

4. The undersigned has carefully examined the matter and has come to the conclusion that the licences in question will not serve the purpose for which they have been issued.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences P/S/1746496 and P/S/1746497 both dated 5-11-1971 for Rs. 4543 and Rs. 2271 respectively issued in favour of M/s. Ocean Electric Co., Bombay.

[No. 1/13/73/AU/Enf]

आवेदन

बम्बई, 4 अक्टूबर, 1972

कांग्रेस 3392—सर्वश्री. श्रीनाथ कैमिकल्स, 20-पैग्निस पेगा, इन्हौर, मध्य प्रदेश को उत्तम रसायनों के विनिर्माण के लिये कच्चे माल के आयात के लिये लाइसेंस सं. पी/ए/1691140, (2) पी/एस/1691141 और (3) पी/एस/1691142 तीनों का दिनांक 6-4-1971 क्रमशः 32,500/- रुपये, 16,250/- रुपये और 16,250/- रुपये के लिये निम्नलिखित शर्त के अधीन जारी किये गये थे :—

“यह लाइसेंस इम शर्त के अधीन जारी किया जाता है कि इस के अधीन आयात किये जाने वाले माल का उपयोग केवल लाइसेंस-धारी के उस कारबाने में किया जायेगा जिस का पता उम प्रावेन पत्र में विद्याया गया है जिसके प्राधार पर लाइसेंस जारी किया गया है और माल का उपयोग उसी उद्देश्य के लिये किया जायेगा जिस के लिये लाइसेंस जारी किया गया है या वह माल अन्य विनिर्माण करने वाले एक के कारबाने में संस्थापित किया जा सकता है, परन्तु उस का कोई भाग किसी अन्य पक्ष को नहीं देता जायेगा या उसके द्वारा उपयोग किया जायेगा या किसी अन्य तरीके से प्रयोग करने की अनुमति दी जायेगी। नेतिन अन्य कारबाने में इस प्रकार समावित किया गया माल लाइसेंस-धारी द्वारा नियंत्रित संसाधन-विनिर्माण में उपयोग किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के आधार पर आयात किये गये माल के उपभोग और उपयोग का उचित लेखा निर्धारित तरीके से रखेगा। और ऐसे लेखे को लाइसेंस प्राधिकारी, प्रायोजक प्राधिकारी, या किसी अन्य सम्बद्ध प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो ऐसे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए।”

2. उस के पश्चात् उन को एक कारण निर्देशन नोटिस सं. 1/216/71/ए.यु/एफ/1972 दिनांक 12-5-1972 यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उन को जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को इस आधार पर रद्द कर्यो न कर देना चाहिये और को धारा 9, उप-धारा (ए) और (सी सी) की शर्तों के अनुसार निर्धारित प्रवधि के भीतर भौतिकी लगाने में असफल रहे।

3. श्रीनाथ कैमिकल्स ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर नहीं दिया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने व्यापारपूर्वक मामले की जांच कर ली है और इस तर्फ पर पहुंचा है कि लाइसेंस तथ्यों के मिथ्या निरूपण द्वारा प्राप्त किये गये थे और वे उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेंगे जिसके लिये प्रदान किये गये हैं।

5. पिछले पैरा में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुर्ज है कि विवादीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अप्रभावी कर दिये जाने चाहिये। इसलिये अधोहस्ताक्षरी

आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955 की धारा 9, उप-धारा (ए) और (सी सी) में प्राप्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री श्रीनाथ कैमिकल्स, इन्हौर, म० प्र० को निम्नलिखित शर्त के अधीन लाइसेंस सं. पी/एन/1691140, पी/एस/1691141 और पी/एस/1691142 सब का दिनांक 6-4-1971 मूल्य क्रमशः 32,500/- रु०, 16,250/- रु० और 16,250/- रु० को एतद्वारा रद्द करता है।

[संघ्या 1/216/71/एय/इन्क]  
मी० सी० बनर्जी, उप मूल्य नियंत्रक

## ORDER

Bombay, the 4th October, 1972

S.O. 3392.—Licences Nos. P/S/1691140, (2) P/S/1691141 and (3) P/S/1691142 all dated 6th April, 1971 for Rs. 32,500, Rs. 16,250 and Rs. 16,250 respectively for import of Raw materials for manufacture of Fine Chemicals were issued to M/s. Shri Nath Chemicals, 20-Pagnis Paga, Indore, Madhya Pradesh subject to the condition as under :—

“this licence is issued subject to the condition that all items of goods imported under it, shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purpose for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods so processed in another factory shall, however, be utilised in the manufacturing process undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority, or any other authority concerned, within such time as may be specified by such authority”.

2. Thereafter a show cause notice No. 1/216/71/AU/Enf/1972 dated the 12th May, 1972 was issued asking them to show cause within 15 days from the date of receipt of this notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they had failed to install the machinery within the stipulated period in terms of Clause 9, sub-clause (a) and (cc).

3. Shri Nath Chemicals have not replied to the Show cause notice.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the licences were obtained by misrepresentation of facts and they will not serve the purpose for which they have been granted.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub clauses (a) and (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences Nos. P/S/1691140, P/S/1691141 and P/S/1691142 all dated the 6th April, 1971 for Rs. 32,500, Rs. 16,250, and Rs. 16,250 respectively issued in favour of Shri Nath Chemicals, Madhya Pradesh.

[No. 1/216/71/AU/Enf.]

B. C. BENERJEE, Dy. Chief Controller

आवेदन

बम्बई, 11 जूलाई, 1973

कांग्रेस 3393.—सर्वश्री फाइन कैमिकल्स (इंडिया), 326-जवाहर मार्ग, इन्हौर, म० प्र० को निम्नलिखित शर्त के अधीन ब्रोनाइस पोटेशियम बाइकाबैनेट बैजोहक एमिड लवंग तेल विस्त्रय धातु तथा निकल वर्जिन के आयात के लिये लाइसेंस संघ्या पी/एस/1709043 दिनांक 29-7-1971 मूल्य 37,500/- रु०, पी/एस/1709044 दिनांक 29-7-1971 मूल्य

18,750 रु. तथा पी/एस/1709045 दिनांक 29-7-1971 मूल्य 18,750 रु. स्वीकृत किये गये थे :—

“यह कि इसके अन्तर्गत आयातित माल की सभी मर्दों का उपयोग लाइसेंसधारी के कारखाने में जिसका पता आवेदनपत्र में दिया गया है और जिसके महे लाइसेंस जारी किया गया है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किया गया है, उपयोग किया जायेगा। या अन्य निर्माणकर्ता एकक के कारखाने में संसाधित किया जा सकता है, किन्तु इसके किसी भी भाग को अन्य किसी पार्टी को बेचा नहीं जायेगा या उपयोग नहीं किया जायेगा अथवा अन्य किसी रूप में प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।”

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बतायी गयी तूकना सं. 1/12/72/एयू/इन्फ/533, दिनांक 3-3-1973 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके ताम में जारी किये गये उपर्युक्त लाइसेंसों को धारा 9, उप-धारा (सीसी) के अन्तर्गत क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस प्राप्तार पर क्योंकि उन्होंने उन सभी प्रस्तावित मशीनों को नहीं लगाया है जिसका उल्लेख उन्होंने प्रायात आवेदन पत्र में किया है।

3. उपर्युक्त कारण बतायी गयी तूकना के उत्तर में सर्वेश्वी फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्डौर, म० प्र० ने अपने पत्र विनांक 12-3-1972 में विस्तृत कारण भेजे थे और अधीक्षिताकारी से अक्तिगत सुनवाई के लिये कहा था जिसके लिये उनके प्रतिनिधि को 10-4-1972 को मिलने के लिये अनुमति दी गई थी। अपने उपर्युक्त उत्तर में और व्यक्तिगत सुनवाई के समय कर्म ने यह तर्क दिया कि 13,130 रुपये के लिये उन्होंने मशीन लगा ली है और आवेदनपत्र में यथा उल्लिखित रूप मशीनें 3 मास के भीतर लगा दी जायेंगी।

4. अधीक्षिताकारी ने उर्दूकृत प्रतिवेदन की भलीभांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि उन्होंने कुछ मशीनें स्थापित नहीं की हैं जोकि निर्माण-प्रक्रिया के लिये अनिवार्य रूप से अपेक्षित है हालांकि कुछ मशीनें मशीनों के संभरक के पास तैयार रखी थीं और यह कि सर्वेश्वी फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्डौर इस स्थिति में नहीं है कि स्थापित की गई कुछ मशीनों के साथ फाइन कैमिकल्स का उत्पादन आरम्भ कर सके। इसलिये विषयाधीन लाइसेंस जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये जारी किये गये हैं उसे वे पूरा नहीं करते।

5. पूर्वी की कंडिका में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षिताकारी सतुर्ज है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये अधीक्षिताकारी आयात (तियंव्रत) आवेदन, 1955 की धारा 9, उप-धारा (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वेश्वी फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्डौर के नाम में जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/एस/1709043, पी/एस/1709044 तथा पी/एस/1709045 सभी का दिनांक 29-7-1971 है और उनका मूल्य क्रमशः 37,500/- रु. 18,750/- रु तथा 18,750/- रु है, उन्हें एन्ट्री द्वारा रद्द करता है।

[संख्या 1/12/72 एयू/इन्फ]

एन० बनर्जी, उप-मुकुट नियंत्रक

### ORDER

Bombay, the 11th July, 1973

S.O. 3393.—Licences Nos. P/S/1709043 dated the 29th July, 1971 for Rs. 37,500, P/S/1709044 dated the 29th July, 1971 for Rs. 18,750 and P/S/1709045 dated 29th July, 1971 for Rs. 18,750 for import of Bronice, Potassium Bicarbonate, Benzoic Acid Clove Oil, Bismuth Metal and Nickel

Vergin were issued to M/s. Fine Chemicals (India), 326, Jawhar Marg, Indore, M.P. subject to the condition as under:—

“that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purposes for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner”.

2. Thereafter, a show cause notice No. 1/12/72/AU/Enf/533 dated the 3rd March, 1973 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they have not installed all the proposed machinery as mentioned by them in their import application in terms of Clause 9, sub-clause (cc).

3. In response to the aforesaid show cause notice, M/s. Fine Chemicals (India), Indore, M. P. had by their letter dated 12-3-1972 furnished a detailed explanation and had also asked for personal hearing with the undersigned which was allowed to their representative on 10-4-1972. In their said reply and at the time of personal hearing, the firm contended that they have installed machinery worth Rs. 13,130 only and that remaining machines as mentioned in their import application will be installed within three months.

4. The undersigned has carefully examined the said representation and has come to the conclusion that they have not installed some of the machines which are essentially required for the manufacturing process though some of the machines were kept ready by the supplier of the machinery and that M/s. Fine Chemicals (India), Indore are not in a position to start the production of fine chemicals with some of the machines/equipment already installed by them. Hence the licences in question will not serve the purpose for which they have been issued.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences Nos. P/S/1709043, P/S/1709044 and P/S/1709045 all dated the 29th July, 1971 for Rs. 37,500, Rs. 18,750 and Rs. 18,750 respectively issued in favour of M/s. Fine Chemicals (India), Indore.

[No. 1/12/72/AU/Enf.]

N. BANERJI, Dy. Chief Controller

### आवेदन

वम्बई, 10 अगस्त, 1973

कानून 3394.—सर्वेश्वी पेस कैमिकल्स, ए-4/38, नया बैरागड़, भोपाल, मध्य प्रदेश की जंगाबरोधी इस्पात पाइपों और ट्यूबों के आयात के लिये 3,700/- रुपये मूल्य का लाइसेंस सं. 1715056 दिनांक 12-7-72 निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किया गया था :—

“मह लाइसेंस इस शर्त के अधीन है कि इस के अधीन आयात किये गये माल की सभी मर्दें केवल लाइसेंसधारी के उस कारखाने में उपयोग की जायेंगी जिस का पता उस आवेदनपत्र में दिखाया गया है जिसके आधार पर यह लाइसेंस जारी किया गया है या या वे मर्दे दूसरे विनियम करने वाले एकक के कारखाने में संसाधित की जा सकती हैं, परन्तु उन का कोई भी भाग किसी अन्य पक्ष की न तो बेचा जायेगा, न उसके द्वारा उपयोग किया जायेगा, न किसी अन्य तरीके से उपयोग करने की अनुमति दी जायेगी। लेकिन इस प्रकार अन्य कारखाने में संसाधित किया गया माल लाइसेंसधारी द्वारा नियंत्रित नियमित करने के कार्यों में उपयोग किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के आधार पर आयात

किये गये माल के उपभोग और उपयोग का निर्धारित तरीके से उचित लेखा रखेगा और उस लेखे को लाइसेंस-प्राधिकारी या किसी दूसरे सम्बद्ध प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो उस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जायें।"

2. उस के पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं 1/143/72/ए. प्र./एन्फ/2219 दिनांक 13-11-72 (जिस में फर्म का नाम सर्वश्री पेस फेनीकेशन लिखा गया था) उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 विन के भीतर कारण बतायें कि उन को जारी किये गये उक्त लाइसेंस को धारा 9 उप-धारा (ए) के अनुसार इस आधार पर रद्द क्यों न कर देना चाहिये कि लाइसेंस जालसाजी/मिथ्यानिरुपण द्वारा प्राप्त किया गया था और उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिये वह जारी किया गया था।

3. यथापि उन्होंने कारण निर्देशन नोटिस प्राप्त किया है परन्तु न तो उन्होंने उस का उत्तर देने की प्रवाह की है और न व्यक्तिगत सुनवाई के लिये ही आये हैं।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिवेदन की ध्यानपूर्वक जाव करली है और इस निर्णय पर पहुंचा है कि लाइसेंस जालसाजी/मिथ्यानिरुपण द्वारा प्राप्त किया गया था और यह उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिस के लिये जारी किया गया था।

5. पिछले पैरा में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर देना चाहिये या अन्यथा प्रधोहस्ताक्षरी कर देना चाहिये। इस लिये, प्रधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री पेस फेनीकेशन को जारी किये गये 3700/- रुपये मूल्य के लाइसेंस सं 1715056 दिनांक 12-7-1972 को एतद् द्वारा रद्द करना है।

[रंग्या 1/143/72/ए० प्र./एन्फ]  
बी० सी० बर्गर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक

### ORDER

Bombay, 10th August, 1973

**S.O. 3394.**—A licence No. 1715056 dt. 12-7-72 of the value of Rs. 3,700 for the import of Stainless Steel Pipes & Tubes was issued to M/s. Pace Fabricators A-4/38, New Bairagarh, Bhopal, Madhya Pradesh, subject to the conditions as under:—

"This licence is subject to the condition that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods so processed in another factory shall, however, be utilised in the manufacturing processes undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority or any other authority concerned, within such time as may be specified by such authority."

2. Thereafter, a Show Cause Notice No. 1/143/72/AU/Enf/2219 dated 13-11-1972 was issued (name of the firm was shown as M/s. Pace Fabrication in the Show Cause Notice) asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the licence was obtained by fraud misrepresentation and will not serve the purpose for which it was issued, in terms of Clause 9 sub-clause (a).

3. Though they have received the Show Cause Notice, they have not cared to reply to the Show Cause Notice nor appeared for personal hearing.

4. The undersigned has carefully examined the said representation and has come to the conclusion that the licence was obtained by fraud/misrepresentation and it will not serve the purpose for which it was issued.

5. Having regard to what has been stated in the proceeding paragraph the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. 1715056 dt. 12-7-1972 for Rs. 3700 issued in favour of M/s. Pace Fabricators.

[No. 1/143/72/AU/Enf.]

B. C. BANERJEE, Dy. Chief Controller

### संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

आवेदन

कलकत्ता, 18 सितम्बर, 1973

का. आ. 3395.—भारत के राज्य व्यापार निगम लि. के नामित सर्वश्री बाटा इन्हें या लि., पांतपरीवहन तथा किराया कार्यालय, ए-3, गिलन्डर हाउस, 8, नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता-1 को 8,09,296 रुपये जहाज पर्यन्त निश्चल मूल्य के सभी किस्म के 68,261 जोड़े जूतों के डैन्मार्क को नियंत्रित के लिए एक नियंत्रित लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। यह भी बताया गया है कि मूल लाइसेंस कलकत्ता में सीमाशुल्क प्राधिकारियां से पंजीकृत कराया था और उस का उपयोग 27,324 जोड़े जूतों के नियंत्रित के लिए 1,55,898 रुपये जहाज पर्यन्त निश्चल की सीमा तक आंशिक रूप में कर लिया था।

अपने तर्क के समर्थन में उपर्युक्त फर्म ने नियंत्रित व्यापार नियंत्रण नीति तथा कियाविधि हेन्डबुक, 1970 के अध्याय 4 के पैरा 54 (2) में यथा अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 (सीमाशुल्क निकासी प्रीत) खो गया/अस्थानस्थ हो गया है।

इसलिए अद्यतन यथासंशोधित नियंत्रित (नियंत्रण) आदेश, 1968 दिनांक 8 मार्च, 1968 के पैरा 9 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री बाटा इन्हें या लि. (दहले भारत के राज्य व्यापार निगम लि. के नामित सर्वश्री बाटा शू कम्पनी प्रा. लि.), पांतपरीवहन तथा किराया कार्यालय, ए-3, गिलन्डर हाउस 8, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता को जारी किए गए लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[सं. बी-50/1/72/ए.जी.]

एस. के. मन्डल, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृत संयुक्त मुख्य नियंत्रक

(Office of the Jt. Chief Controller of Import & Exports)

### ORDER

Calcutta, the 18th September, 1973

**S.O. 3395.**—M/s. Bata India Ltd., nominee of M/s. S.T.C. of India Ltd. Shipping & Passage office, A-3, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, were granted Export Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72 for export of 1,68,261 Pairs Footwear-all types, valued at Rs. 8,09,296 F.O.B. to Denmark. They have applied for a duplicate copy of the said licence on the ground that the original licence has been lost/misplaced. It is further stated that the original licence was registered with the Customs authorities at Calcutta and was partly

utilised to the extent of Rs. 1,55,898 F.O.B. for export of 27,324 pairs footwear.

In support of their contention, the above firms have filed the necessary Affidavit as required under para 54(ii), Chapter IV of the Export Trade Control Hand Book of Policy & Procedure, 1970. I am satisfied that the original Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72 (Customs purpose copy) has been lost/misplaced.

Therefore, in exercise of the powers conferred under para 9 of the Exports (Control) Order, 1968, dated the 8th March, 1968 as amended up-to-date, the Customs Purpose Copy of the Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72, issued to M/s. Bata India Ltd. (formerly M/s. Bata Shoe Co. Pvt. Ltd.—Nominees of M/s. State Trading Corporation of India Ltd.), Shipping & Passage Office, A-3, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, is hereby cancelled.

[File No. B-50/1/72/EG.]

S. K. MANDAL, Dy. Chief Controller  
For Jt. Chief Controller.

संयुक्त-मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

आदेश

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1973

का. आ. 3396.—सर्वश्री ओरियन्टल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, मोहाली, जिला रोपड़ को कायाल में जस्तेवार पट्टियों के आयात के लिए 28,157 रु. का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने आयात नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंड बुक 1972-73 की कंडिका 318 जिसे परिशृण्ट 8 के साथ पढ़ के अन्तर्गत अपीक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया हैं जिसमें उन्होंने बताया हैं कि लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 मूल्य 28,157 रु. की सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति चिना पंजीकृत कराये और बिल्कुल उपयोग किये चिना ही खा गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति खा/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अथवा यथा संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(सी) के अन्तर्गत मुफ्त प्रवक्त अधिकारों का प्रयोग कर उपर्युक्त लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 मूल्य 28,157 रु. (केवल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति) को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

4. आदेश को अब आयात व्यापार नियंत्रण सभा क्रियाविधि हैंड बुक, 1972-73 की कंडिका 318(4) में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति जारी की जा रही है।

[सं. हैंडी/33/जे एस-72/एस सी-3/सी एल ए/3533]

ए. एल. भला, उप-मूल्य नियंत्रक  
कृत संयुक्त-मूल्य नियंत्रक

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1973

S.O. 3396.—M/s. Oriental Industrial Corporation, Mohali, Distt. Ropar were granted import licence No. P/U/2688997/C dated 1-1-73 for Rs. 28,157 for import of Galvanised Strips in Coils. They have filed an affidavit as required under para, 318 read with appendix 8 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73 wherein they have stated that Customs Purposes copy of licence No. P/U/

2688997 dated 1-1-73 for Rs. 28,157 has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. I am satisfied that the Customs Purposes copy of the said licence have been lost/misplaced.

3. In exercise the powers conferred on me under subject Clause 9(C) in the Import Trade Control Order 1955 dt. 7-12-55 as amended upto date, the said licence No. P/U/2688997 (Customs Purposes copy only) dated 1-1-73 for Rs. 28,157 is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued a duplicate Customs Purposes copy of the licence in accordance with the provisions of para. 318(4) of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73.

[File No. Handi/33/JS-72/SC-III/CLA]

A. L. BHALLA, Dy. Chief Controller  
For Jt. Chief Controller

प्रौद्योगिक विकास, विद्यालय तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1973

का. आ. 3397.—प्राइवेट मार्केट (प्रक्रियात्मक) नियम 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय के प्रादेश सं. का. ० प्रा०/प्रा० और प/६/५, तारीख 19 जुलाई, 1973 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार उपकरण उद्योग विकास परिषद की संखना में निम्नलिखित परिवर्तन करती है:—

1. मैसर्स टेलर इन्स्ट्रुमेंट कम्पनी (इण्डिया) लिमिटेड, 14 सदस्य भूमुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा) का प्रतिनिधि।

2. डा० हर्षवर्धन, निवेशक, केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, डा० मंगल के चष्टीगढ़। स्थान पर सदस्य।

[सं. १६(१)-३(३)/७२]

सी० मल्लिकार्जुन, प्रबर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT,  
SCIENCE & TECHNOLOGY

ORDER

New Delhi, the 23rd November, 1973

S.O. 3397.—IDRA/6/5.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952 and in continuation of the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. IDRA/6/5 dated the 19th July, 1973, the Central Government hereby make the following addition/Change in the composition of the Development Council for Instruments Industry:—

1. Representative of M/s. Taylor Instrument Company (India) Ltd. 14, Mathura Road, Faridabad (Haryana).—Member.

2. Dr. Harshvardhan, Director, Central Scientific Instrument Organisation, Chandigarh.—Member Vice Dr. Mangal.

[No. LE(I)-3(3)/72]

C. MALLIKARJUNAN, Under Secy.

(भारतीय मानक संस्था)  
नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का० आ० 3398.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता कि लाइसेंस जिसके ब्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारी का कार्य असनोष्टजनक होने के कारण 15 मई, 1973 में रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

लाइसेंस सं०	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया	मानक और शीर्षक
-------------	---------------------------	-----------------	----------------

सी एम/एल-2636	मैमर्स युनाइटेड	एन्ड्रिन पायसनीय	IS 1310-
29-3-1971	पुल्वराइजर्स, बोदला, आगरा-7	तेज द्रव	1958 एकड़िन पायसनीय तेज द्रव

[सं० एम डी डी/55 2636]

[Indian Standard Institution]

New Delhi, the 21st November, 1973

S. O. 3398.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 15 May 1973 as the performance of the licensee was unsatisfactory :

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
CM/L-2636 29-3-1971	M/s United Pul- verisers, Bodla, Agra-7.	Endrin Emul- sifiable Con- centrates	IS :1310-1958 Specification for Endrin Emulsifiable Concentrates

[No. MDD/55:2636]

का० आ० 3399.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिम लाइसेंस का ब्योरा नीचे अनुसूची में दिया गया है वह लाइसेंसधारी के अपने अनुरोध पर 16-9-1973 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

लाइसेंस सं०	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के श्रद्धीय नाम और शीर्षक	तत्संबंधी भारतीय प्रबन्धना
-------------	---------------------------	-----------------------------------	----------------------------

सी एम/एल-2929	मैमर्स किसान केमिकल, 127, इस्टिंयल एन्ड्रिया, चंडीगढ़	बी एच सी पायस- नीय तेज द्रव	IS 632- 1966 बी एच सी पायसनीय तेज द्रव
---------------	--	--------------------------------	---

[सं० एम डी डी/55 2929]  
डी० दाम गुप्ता, उप-महानिदेशक

S. O. 3399.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the

Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16-9-1973 on the licensee's request :

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
CM/L-2929 21-2-1972	M/s Kisan Che- mical, 127 Indus- trial Area, Chandigarh.	BHC Emulsi- fiable Concen- trates.	IS:632-1966 for BHC Emul- sifiable Con- centrates.

[No. MDD/55:2929]

(D.DAS GUPTA, Dy. Director General

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

का० आ० 3400.—यह कोयना वाले क्षेत्र (प्रजनन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के श्रद्धीय जारी की गई भारत सरकार के भूमिकूर्व, खान और धातु मंत्रालय की अधिसूचित संस्था का० आ० 1424, नागीख 30 अप्रैल, 1966 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचित से उपादान अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमि को अंजित करने के अपने आवश्य की सूचना दी थी ;

और यह समस्त प्राधिकरी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसार में अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय गरकार को दी है ;

मोर यह उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने और विहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इससे उपादान अनुसूची में वर्णित 121 00 एकड़ (लगभग) अथवा 49.00 हेक्टेयर (लगभग) परिमाण की भूमि को अंजित किया आना चाहिये ।

अत यह उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त पक्षियों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 121 00 एकड़ (लगभग) अथवा 49.00 हेक्टेयर (लगभग) परिमाण की भूमि एतद्वारा अंजित की जाती है ।

इस अधिसूचित के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त, हजारीबाग के कार्यालय में अथवा कोयला नियन्त्र, 1 काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व प्रबन्धाग), दरभगा हाऊस, रांची (बिहार) के कार्यालय किया जा सकता है ।

अनुसूची

रामगढ़ खंड II विस्तार

रामगढ़ कोयला अंडा

इर्हिंग संख्या राखरव/102/73  
तारीख 13-1-73

रामगढ़ कार्यालय

(अंजित की गई भूमि को दर्शित करते हुए)

क्रम सं०	ग्राम	धाना	धाना संख्या	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1-सेमर बेडा	गोमिया		32	हजारीबाग		भाग
2-कहें	गोमिया		45	हजारीबाग		भाग
3-सरेया	रामगढ़		119	हजारीबाग		भाग
				कुल क्षेत्र	121 00 एकड़ (लगभग)	अथवा 49.00 हेक्टेयर (लगभग)

## ग्राम सेमरबेरा में प्रजित प्लाटों की संख्या :

9(पी), 66(पी), 70(पी), 71(पी), 72, 73(पी), 74 से 86, 87(पी), 88 से 94, 95(पी), 104(पी), 106(पी), 107(पी), 169(पी), 630(पी), 1248(पी), 1626(पी) और 1265(पी)।

## ग्राम कंडेर में प्रजित प्लाटों की संख्या :

1689(पी), 1701(पी), 1702(पी), 1703(पी) 1705(पी), 1706, 1707, 1708(पी), और 1730(पी)।

## ग्राम सरैया में प्रजित प्लाटों की संख्या :

875(पी) और 876(पी)।

## सीमा विवरण

1-2-3 लाइन ग्राम कंडेर में प्लाट संख्या 1689, 1705, 1703, 1701, 1703, 1702, 1703 और 1708 और ग्राम सरैया में प्लाट संख्या 875 से होकर गुजरती है और बिन्दु 3 पर मिलती है।

3-4 लाइन ग्राम सरैया में दामोदर नदी के भागत दाएं किनारे से होकर गुजरती है और बिन्दु 4 पर मिलती है।

4-5 लाइन ग्राम सरैया में प्लाट संख्या 876 और ग्राम सेमरबेरा में प्लाट संख्या 630, 169, 95, 169, 106, 104 169, 108, 107 67, 66, 67, 73, 71, 70, 9, 1265, 1248 और 1262 से होकर गुजरती है और बिन्दु 5 पर मिलती है (जो रामगढ़ खण्ड-II के माथ भी भागत: सामान्य सीमा बनाती है)।

5-1 लाइन ग्राम सेमरबेरा में प्लाट संख्या 1262, 1248 और 87 और ग्राम कंडेर में प्लाट संख्या 1730 और 1689 से होकर गुजरती है और बिन्दु 1 पर मिलती है।

[का० सं० 25(22)/73-को० 5]

ए० एस० देशपाण्डे, अवर सचिव

**MINISTRY OF STEEL & MINES**  
(Department of Mines)

New Delhi, the 27th November, 1973

**S.O. 3400**—WHEREAS by the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Metals No. S.O.1424 dated the 30th April, 1966, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

AND WHEREAS the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

AND WHEREAS the Central Government, after considering the report aforesaid, and after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 121.00 (approximately) or 49.00 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 121.00 acres (Approximately) or 49.00 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbanga House, Ranchi (Bihar).

## SCHEDULE

Ramgarh Block-II-Extn.  
Ramgarh Coalfields  
Drg. No. Rev/102/73  
Dated 13-1-73  
Showing Lands Acquired

## All Right

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area Remarks
1.	Semarbera	Gomia	52	Hazaribagh	Part
2.	Kander	Gomia	45	Hazaribagh	Part
3.	Saraiya	Ramgarh	119	Hazaribagh	Part

Total Area 121.00 acres (Approximately)

or 49.00 Hectares (approximately)

**Plot numbers to be acquired in village Semarbera :** 9(P), 66(P), 67(P), 70(P), 71(P), 72, 73(P), 74 to 86, 87(P), 88 to 94, 95(P), 104(P), 106(P), 107(P), 108(P), 169(P), 630(P), 1248(P), 1262(P), and 1265(P).

**Plot numbers acquired in village Kander :** 1689(P), 1701(P), 1702(P), 1703(P), 1705(P), 1706, 1707, 1708(P), and 1730, (P).

**Plot numbers acquired in village Saraiya :** 875(P) and 876(P).

## BOUNDARY DESCRIPTION :

1-2-3 lines pass through plot numbers 1989, 1705, 1703, 1701, 1703, 1702, 1703 and 1708 in village Kander and through plot number 875 in village Saraiya and meet at point 3.

3-4 lines passes along the part right Bank of River Damodar in village Saraiya and meets at point 4.

4-5 line passes through plot number 876 in village Saraiya and through plot number 630, 169, 95, 169, 106, 104, 169, 108, 107 67, 66, 67, 73, 71, 70, 9, 1265, 1248, and 1262 in village Semarbera and meets at point 5 (which is also the part common boundary of Ramgarh Block-II).

5-1 line passes through plot numbers 1262, 1248, and 87 in village Semarbera and through plot numbers 1730 and 1689 in village Kander and meets at point 1.

[F. No. 25(22)/73-C-5]

A. S. DESHPANDE,  
Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
परिवहन पक्ष

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1973

(वाणिज्य पोत परिवहन)

**का. आ. 3401**—वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 303 की उपाधारा (3) के संह (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार विदेशों के सभी भारतीय कोसलीय कार्यालयों को उक्त संह में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, प्राधिकृत करती है।

[सं. 46-ए. ए. (6)/72]

वी. वी. सुब्रह्मण्यम्, उप-सचिव

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**  
(Transport Wing)

New Delhi, the 15th November, 1973  
(Merchant Shipping)

**S.O. 3401**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 303 of the Merchant Shipping Act,

1958 (44 of 1958), the Central Government hereby authorises every Indian Consular Officer abroad to excise the powers specified in clause (a) of the said sub-section (3).

[No. 46-MA(6)/72]

V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1973

का० आ० 3402.—सङ्क परिवहन नियम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की उपधारा (1) और धारा 44 की उपधारा (2) के खंड (क), (ख), (ग) और (घ) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) उन नियमों का नाम दिल्ली परिवहन नियम (सदस्य) (संशोधन) नियम, 1973 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रपते प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंगे।

2 विल्ली परिवहन नियम (सदस्य) नियम, 1973 के नियम 3 के खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाए, अर्थात् :—

(घ) छः व्यक्तियों में

(i) नई विल्ली नगर पालिका का एक प्रतिनिधि होगा;

(ii) एकल सक्रमणीय मत द्वारा अनुपाति प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार विल्ली नगर नियम के सदस्यों में से निर्वाचित विल्ली महानगर परिवद् का एक प्रतिनिधि होगा;

(iii) एकल सक्रमणीय मत द्वारा अनुपाति प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार विल्ली नगर नियम के सदस्यों में से निर्वाचित दिल्ली नगर का एक प्रतिनिधि होगा; और

(iv) एक प्रतिनिधि राज्य परिवहन प्राधिकारी, दिल्ली का होगा।

[स 15-टी०ए०जी (2)/73]

एन० ए० ए० नारायणन, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 23rd November, 1973

**S.O. 3402.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c) and (d) of sub-section (2) of Section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Members) (Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, in rule 3, for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:—

“(d) Six persons of whom—

(i) one shall be a representative of New Delhi Municipal Committee;

(ii) one shall be a representative of the Delhi Metropolitan Council elected from among the members of the Council in accordance with the system of proportional representation by means of a single transferable vote;

(iii) one shall be a representative of the Delhi Municipal Corporation elected from among the members of the Delhi Municipal Corporation in accordance

with the system of proportional representation by means of a single transferable vote; and

(iv) One shall be a representative of the State Transport Authority Delhi.”

[No. 15-TAG(2)/73]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

### विल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1973

### सार्वजनिक सूचना

का. आ. 3403.—केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन विल्ली मुख्य योजना में करने का विचार कर रही है जिसे सार्वजनिक सूचना है, एतद्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपनी आपत्ति और सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर स्विच, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विल्ली विकास भवन, हन्द्रप्रस्था इस्टर्ट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं, जो व्यक्ति अपने आपत्ति या सुझाव दें, वे अपने नाम व पूरा पता भी दें।

### संशोधन

“सागभग 91.00 हेक्टर का क्षेत्र जो उत्तर में रेसकोर्स तथा सफदरजंग टाउन, दिक्षिण में रेलवे लाइन, पश्चिम में नाला नथा पूर्व में महराली रोड द्वारा घिरा हआ है, मुख्य योजना के अनुसार यह क्षेत्र मनोरंजन उपयोग के लिए निर्विचार किया गया है इसे अब सफदरजंग हवाई-अड्डे का कायम रखने के लिए 'सरकूलेशन यूज' के लिए परिवर्तित करने का प्रतीक है।”

प्रस्तावित संशोधन को हांगित करने वाली योजना कार्यालय विल्ली विकास प्राधिकरण, विल्ली विकास भवन, हन्द्रप्रस्था इस्टर्ट, नई दिल्ली में शनिवार को छोड़ समस्त कार्यशील दिनों में उक्त अवधि में निरक्षण है, उपलब्ध होगी।

[सं. एफ. 3(120)/73-एम. पी.]

### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 8th December, 1973

### PUBLIC NOTICE

**S.O. 3403.**—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the secretary, Delhi Development Authority, Delhi, Vikas Bhawan Indraprastha Estate, New Delhi within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

### MODIFICATION

“The area bounded by Race Course and Safdarjang Tomb in the north, railway line in the south, nallah in the west and Mehrauli Road in the east, measuring about 91.00 hectares and earmarked for recreational use in the Master Plan is proposed to be changed for 'Circulation Use' for the retention of Safdarjang Airport.”

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No: F.3(120)/73-M.P.]

### सार्वजनिक सूचना

**का. आ. 3404.**—केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन चिल्ली मुद्राय योजना में करने का विचार कर रही है जिसे सार्वजनिक सूचना है एतद्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपात्य या सुझाव देना है तो वे अपनी आपात्य या सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं, जो व्यक्ति आपात्य या रुझाव दें, वे अपने नाम व पूरा पता भी दें।

### संशोधन

“लगभग 5.66 हेक्टर (14 एकड़े) का क्षेत्र जो उत्तर-पूर्व से 64 मीटर छाँड़ी, रिंग रोड उत्तर-पश्चिम में क्षीरव्य मार्ग तथा दीर्घिण-पश्चिम एवं दीर्घिण-पूर्व में कमश: हिस्ट्रक्ट पार्क-स्क्यारा घिरा है तथा यह क्षेत्र मात्री बाग के निकट गुरुद्वारा एवं कालेज अहतों में पहुंचा है यह क्षेत्र लोन् एफ-८ में पड़ता है जिसे 'मनोरंजन' से 'आवासीय' उपयोग में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।”

प्रस्तावित संशोधन को इंगित करने वाली योजना कार्यालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में शनिवार को छोड़ समस्त कार्यशील दिनों में उक्त अधिकारी में निरीक्षण है उपलब्ध होगी।

[सं. एफ 20(1)/73-एम. पी.]

हृदय नाथ फोटोटार, सचिव

### PUBLIC NOTICE

**S.O. 3404.**—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

### MODIFICATION

“An area measuring about 5.66 hectares (14 acres) and bounded by 64 metre wide Ring Road on the North-east, a zonal road in the north-west and district parks in the south-west and south-east respectively, falling between the Gurdwara and the college campus near Moti Bagh in zone F-6, is proposed to be changed from 'Recreational' to 'Residential' Use.”

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20 (1)/73-M.P.]

H. N. FOTEDAR, Secy.

सिचाई और विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1973

**का.ओ. 3405.**—पंचाश पुनर्गठन भ्रमिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 80 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रवस्त सरकारों का प्रयोग फरते हुए और भारत सरकार के सिचाई और विद्युत मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.ओ. 3507 सारीख 1 अक्टूबर, 1967 को भ्रमिकात बरते हुए, केन्द्रीय सरकार, उत्तरवर्ती राज्यों और राजस्थान की राज्य की सरकारों से परामर्श करके व्याप समिक्षण बोर्ड (जिसे इसमें इसके पश्चात् बोर्ड कहा गया है) का गठन एवं द्वारा करती है, जिसमें निम्न-वित्त व्यक्ति हैं अर्थात्:—

### प्रध्यक्ष

(1) सिचाई और विद्युत मंत्री, भारत सरकार।

### सचिव

(2) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान राज्यों के मुख्य मंत्री।

(3) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के प्रत्येक राज्य में से अपनी-अपनी सरकार द्वारा नामिनीयित एक मंत्री;

(4) सिचाई और विद्युत उप-मंत्री, भारत सरकार;

(5) सचिव, भारत सरकार, सिचाई और विद्युत मंत्रालय;

(6) प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग;

(7) संयुक्त सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग);

(8) पंजाब, हरयाणा और राजस्थान सरकारों के सिचाई और विद्युत के भारसाधक सचिव;

(9) राजस्थान सरकार का उपनिवेश का भारसाधक सचिव और व्याप सरियोजना का भारसाधक सचिव;

(10) पंजाब, हरयाणा और राजस्थान सरकारों के वित्त का भारसाधक सचिव;

(11) वित्तीय प्रायुक्त-एवं-सचिव, राजस्व निभाग, हिमाचल प्रदेश;

(12) महाप्रबन्धक, व्याप सरियोजना;

(13) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के राज्य विश्वुत बोर्डों के प्रध्यक्ष,

(14) पंजाब, हरयाणा के मुख्य इंजीनियर (सिचाई) और राजस्थान नहर परियोजना के मुख्य इंजीनियर;

(15) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के राज्य विश्वुत बोर्डों के तकनीकी सचिव;

(16) व्याप सतलज लिंक और व्याप बांध परियोजना के मुख्य इंजीनियर;

(17) मुख्य इंजीनियर, विद्युत संकर्म, व्याप परियोजना; और

(18) वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, व्याप परियोजना; और बोर्ड को निम्नलिखित कृत्य समन्वेशित करती है, अर्थात्:—

(क) व्याप परियोजना (जिसे इसमें इसके पक्षात् परियोजना कहा गया है) का दक्षतापूर्ण और मितव्ययी रूप से तथा शीघ्र रीति से समिक्षण, जिसमें पहले से ही प्रारम्भ किये गए किसी कार्य का पूरा किया जाना समिक्षित है, किन्तु भारतीय राष्ट्र दैनंदिन पावर हाऊस पर 120 मेंदा बाट अमता का पांचवां उत्पादक एक समिलित नहीं है; और

(ब) परियोजना में तंत्रित व्यापार में शुल्क, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

- (i) परियोजना प्राकृतिकों की संरक्षा और दूसरे विद्युत उपायोजना करना और केन्द्रीय परामर्शदाता ने प्रशासन अनुपोदार्थ वाहानादारों की नियन्त्रित करना;
- (ii) तकनीकी और दिनांक द्वारा प्रलाप की लेसे लक्षित करा; बोर्ड वायरल सरकार, महाराजांशुक और पर्यावरण विभाग के पुराने परियोजना प्राप्त विवरों के प्रायोजन;
- (iii) परियोजना के विकास के विवरण का दर्शाना और नियन्त्रित और विद्युत प्रयोग के लिए उपकरण के लिये एक अवधारणा विवरण वर्ता नीति;
- (iv) मुद्रण थोड़ी की वावत मूद्राभास्कर के योग्यता उपकरणों की संविधान सरकारों को दिया दिया जाए।
- (v) मन्त्यवालन के विकास के लिए यथा इन उपकरणों की संविधान सरकारों को नियन्त्रित करना।
- (vi) परियोजना के सन्तुलनी के परियोजनावाले विधायित व्यक्तियों के प्रत्यक्ष के लिए यथावृत्त उपकरणों का नाम अपने अवर लेना;

(ग) कोई अन्य कृत्य जो केन्द्रीय सरकार द्वारा बोर्ड को प्रायोजनित किया जाए।

2. बोर्ड का एक सविव होगा जिसके नियन्त्रों कर्मचारिकृत वीवरण की जायेगी जो उसके इन प्रकार के कृत्यों के दक्षतावृद्धि के लिए आवश्यक हो, और सविव का कार्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा।

3. बोर्ड का एस कर्मचारिकृत की जो (परा 2 में नियन्त्रित कर्मचारिकृत और महाप्रांत्रिक व्यापार परियोजना से नियन्त्रित हो) जो इसके कृत्यों के दक्षतावृद्धि के लिए आवश्यक हो, नियन्त्रित कर सकता।

[फा० सं० 17/128/67-वोग्डवी-भा० 2]

वी एम क्रमान् समूक संविधान (1)

## MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 23rd March, 1973

**S.O. 3405.**—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 80 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966) and in pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power No. 3507, dated the 1st October, 1967, the Central Government, in consultation with the Governments of the successor States and the State of Rajasthan, hereby constitutes the Beas Construction Board (hereinafter referred to as the Board) consisting of the following persons, namely :—

Chairman

(1) The Minister of Irrigation and Power, Government of India;

Members

- (2) The Chief Ministers of the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;
- (3) One Minister each from the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan to be nominated by the respective Government;
- (4) The Deputy Minister of Irrigation and Power, Government of India;

- (5) The Secretary to the Government of India, Ministry of Irrigation and Power.
- (6) The Chairman, Central Water and Power Commission;
- (7) The Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure);
- (8) The Secretaries in charge of Irrigation and Power of the Governments of Punjab, Haryana and Rajasthan;
- (9) The Secretary incharge of Colonisation and the Secretary incharge of the Beas Project of the Government of Rajasthan;
- (10) The Secretary incharge of Finance of the Governments of Punjab, Haryana and Rajasthan;
- (11) The Financial Commissioner-cum-Secretary, Revenue Department, Himachal Pradesh;
- (12) The General Manager, Beas Project;
- (13) The Chairmen, State Electricity Board of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;
- (14) The Chief Engineers (Irrigation) of Punjab and Haryana and the Chief Engineer, Rajasthan Canal Project;
- (15) The Members Technical, State Electricity Boards of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;
- (16) The Chief Engineers of Beas Sutlej Link and Beas Dam Project;
- (17) The Chief Engineer, Electrical Works, Beas Project; and
- (18) The Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Beas Project.

and assigns to the Board the following functions, namely :—

- (a) the construction, in an efficient, economical and expeditious manner, of the Beas Project (hereinafter referred to as the Project) including the completion of any work already commenced, but excluding the fifth generating unit of 120 M.W. capacity at Bhakra Right Bank Power House; and
- (b) all other functions in relation to the Project including :—
  - (i) enquiry of the Project estimates and making of any modification thereto and recommending the estimates for the administrative approval of the Central Government;
  - (ii) delegation of such Powers, both technical and financial, as the Board may deem necessary, to the General Manager and other officers employed on the execution of the Project;
  - (iii) regulation of the construction of the different parts of the Project and preparation of a phased programme of early utilisation of irrigation and power benefits;
  - (iv) recommending to the concerned Governments suitable soil conservation measures in respect of the catchment areas;
  - (v) recommending to the concerned Governments suitable measures for the development of pisciculture;
  - (vi) undertaking of suitable measures for the rehabilitation of persons displaced consequent on the construction of the Project;
  - (c) any other function that may be delegated to the Board by the Central Government.

2. The Board shall have a Secretary who may be provided with such staff as may be necessary for the efficient discharge of its functions and the office of the Secretary shall be located at New Delhi.

3. The Board may appoint such staff (other than that referred to in paragraph 2 and the General Manager, Beas Project) as may be necessary for the efficient discharge of its functions.

[File No. 17/128/67-B&B (Vol. II)]

B. S. BANSAL, Joint Secy.

### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 28th November, 1972

**S.O. 3406.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad now under the management of Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st November, 1973.

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

#### Reference No. 35 of 1972

##### Parties :

Employers in relation to the B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, Dist. Dhanbad now under the management of Bharat Coking Coal Ltd.,

AND

Their Workmen.

##### Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.)—Presiding Officer.

##### Appearances :

For the old Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Bharat Coking Coal Ltd.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—None.

State : Bihar

Industry : Coal.

Dhanbad, the 16th November, 1973

#### AWARD

This is a reference made by the Central Government under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by an order No. 1/2012/46/72-LRII dated New Delhi, the 10th October, 1972 in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and runs as follows :—

I. "Whether the action of the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, now under the management of Bharat Coking Coal Limited in stopping the following workmen from work with effect from 26th October, 1971, is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?

##### S. No. Name of the workmen

##### Designation

1. Shri Chatu Bauri	Quarry Miners.
2. Shri Jagdish Bauri	-do-
3. Shri Dukhi Bauri	-do-
4. Shri Anil Bauri	-do-
5. Shri Magan Bouri	-do-
6. Shri Madan Bauri	-do-
7. Shri Matal Bouri	-do-
8. Shri Kamala Bauri	-do-
9. Shrimati Kunti Kamin	Quarry Loader
10. Shrimati Sumi Kamin	-do-
11. Shrimati Gandhari Kamin	-do-
12. Shrimati Upashi Kamin	-do-

II. "Whether the action of the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, now under the management of Bharat Coking Coal Limited in stopping Shri Badri Kumar, Night Guard from work with effect from the 26th October, 1971 is justified ? If not, to what relief is the concerned workmen entitled ?"

2. After the receipt of the reference by this Tribunal, notices were issued to the parties who filed their written statements. A written statement was also filed on behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., Shri B. N. Singh, Member Central Executive Committee, Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad, on 7-5-73 filed an application calling for certain documents from the management and also filed an application for summoning the file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad-I. The file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad was, accordingly, summoned and was received on 29-6-73 and was placed on record Shri S. S. Mukherjee representing the old management and Bharat Coking Coal Ltd., filed three items of documents along with the list on 26-3-73. On that date Shri S. Das Gupta appeared for the workmen. In this reference sometime Mr. B. N. Singh appeared and sometime Mr. S. Das Gupta appeared for the workmen. Actually on 10-4-73 Mr. Das Gupta appeared for the workmen and prayed for time for filing documents on behalf of the workmen. The time prayed for was allowed.

3. Shri B. N. Singh, I am informed has given up practice and Shri Das Gupta does not seem to be interested in this reference. I quote below the ordersheet dated 26-9-73 which will make the position clear :—

"Shri S. Dasgupta is appearing for the workmen in this reference was present before the Tribunal in the morning while evidence in another reference was being recorded. Shri Dasgupta however, went away without informing the Tribunal or Shri S. S. Mukherjee appearing for the management and B.C.C.L. Shri S. S. Mukherjee is present and states that his witnesses are also present but since Shri Dasgupta has left, the reference has to be adjourned as there will be no one to cross-examine the witnesses produced by Shri S. S. Mukherjee. List this reference on 16th November, 1973. Shri S. S. Mukherjee will kindly inform Shri S. Dasgupta about the date".

4. Yesterday i.e. on 15-11-73 Shri S. Dasgupta appeared before the Tribunal in another reference and the head clerk of the Tribunal informed Shri Dasgupta about this reference but Shri Dasgupta replied that he is not interested in this reference and he will not appear.

5. Today I have waited for more than 2-1/2 hours but no one, either the workmen concerned or any representative of the union of the workmen has appeared before the Tribunal. Mr. S. S. Mukherjee however appeared on behalf of the management and the Bharat Coking Coal Ltd.

6. The dispute was referred to this Tribunal on a demand of the union of the workmen and it was the duty of the union of the workmen to prosecute the dispute but they have not bothered about it. They appeared before the conciliation authority but before this Tribunal, besides filing a written statement and summoning some records from the management and the file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad neither any documents have been filed on behalf of the workmen nor any evidence has been led on their behalf. It is, therefore obvious that the workmen are not interested in prosecuting the reference. Today neither any intimation nor any application for adjournment of the reference on behalf of the workmen was received although I waited for about 2-1/2 hours. Since no one has appeared on behalf of the workmen and no documents have been filed on their behalf and no evidence has been led I do not think it necessary to state the respective cases of the parties as without documents and evidence it is not possible to adjudicate upon the two items of the dispute which have been referred to this Tribunal by the Central Government.

7. Under the circumstances I have no option but to hold that the workmen are not interested in prosecuting the dispute referred to this Tribunal for adjudication and proceed

to give a no dispute award in regard to both the items of the reference.

8. I accordingly pass a no dispute award in regard to both the items of the reference.

9. I let a copy of this award be forwarded to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

[No. L-2012/46/72-LRII]

D. D. SETH, Presiding Officer

New Delhi, the 1st December, 1973

**S.O. 3407.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd November, 1973.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.**

**Present :**

Shri K. K. Sarkar.—Presiding Officer.

**Reference No. 16 of 1973.**

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

**Parties :**

Employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post office Jharia, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

**Appearances :**

On behalf of the employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Jharia.

**State :** Bihar.

**Industry :** Coal.

Dhanbad, the 20th November, 1973

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation in the Department of Labour and Employment referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post office Jharia, District Dhanbad and their workmen to this Tribunal U/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication upon the following issue as per the schedule below :

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Kujama Colliery Post Office Jharia, District Dhanbad, in stopping work of Shri Mohammad Khalil, Hard Coke Oven Supervisor with effect from the 25th December, 1971, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

After receipt of the above order of reference both sides duly appeared and filed their respective written statement. The reference then proceeded along its course. Ultimately on 2-11-73 the parties represented by their authorised representatives prayed for a short time to file a memorandum of settlement which was actually filed on 9-11-73. The contents of this memorandum of settlement have been subsequently verified as correct by Shri H. N. Singh representing the workmen and Shri S. S. Mukherjee, representing the company. I heard both sides on this memo. of settlement,

both of whom submit that the dispute has been amicably settled between the parties out of Court as per the above memo. of settlement and it is prayed that an award be passed in terms thereof. I have gone through the memo. of settlement and find that the terms thereof are beneficial to the parties. Nothing therefore stands in the way of the same being accepted and given effect to.

I, therefore, make an award in respect of the issue as referred to above in terms of the memorandum of settlement which do form part of the Award as Annexure A.

[No. L-2012/154/72-LR. II]

**ANNEXURE 'A'**

**BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
(NO. II) AT DHANBAD**

**In the matter of : Reference No. 16 of 1973**

**Parties :**

Employees in relations to Kujama Colliery.

AND

Their Workmen.

**Memorandum of Settlement**

Without prejudice to the respective contentions, the parties to the dispute in the above mentioned Reference have settled the matter amicably as per terms hereinafter stated :—

1. That Shri Md. Khalil, the workman concerned will be employed as Pump Khalasi/Fan Khalasi in Category III with a basic starting of Rs. 6.20 per day at Kujama colliery with effect from 7th November, 1973 without any back wages and his services shall count from the date he reports for duty.

2. That the workman concerned will be given continuity of service with effect from 1-5-72 for the purposes of eligibility under payment of Gratuity Act, 1972.

3. That the employers will pay a sum of Rs. 100 (Rupees hundred only) to Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Jharia towards cost of the proceedings.

4. That in case the workman concerned does not report for duty within a fortnight from the date of this Settlement he shall have no right to claim employment whatsoever.

5. That the above terms finally resolve the dispute between the parties and there is, therefore, no subsisting dispute for adjudication in the present Reference.

It is, therefore, humbly prayed that the above terms of the Compromise may kindly be accepted and the Award passed in terms thereof.

**For Employer :**

**For Workmen :**

H. N. SINGH

**For Bharat Coking Coal Ltd.**

Manager, Kujama Colliery.

Dated.....1973.

K. K. SARKAR, Presiding Officer,  
[No. L-2012/154/72-LRII]

KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

श्रम और पूनर्वासि मंशालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नंदा दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3408.—मद्रास अरेजस्ट्रीक्यूट डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्राप्त, जिसे केन्द्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शाश्वतयों का प्रयाग करते हुए बनाए की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथाअपेक्षित उन सभी**

व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है; और सूचना वी जाती है कि उक्त प्राप्ति पर राजस्व में इसके प्रकारुन की तारीख से दो ग्राम की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्राप्ति की आवात किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट धराधि के पूर्व प्राप्त किए जाएं, केन्द्रीय सरकार इवारा विचार किया जाएगा।

### प्राप्ति स्कीम

1. इस स्कीम का नाम मद्रास अर्जिस्ट्रीकूट डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1973 है।

2. मद्रास अर्जिस्ट्रीकूट डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में, खण्ड 13-ध के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अधीत् :—

**"13 ई—मंहार्ड भत्ते, मजदूरीयता और अन्य भत्ताओं के लकार।—** गठित किए गए किसी बोर्ड या निकाय के किसी अधिनियम या सिफारिश या केन्द्रीय सरकार इवारा किए गए किसी आदेश के अनुसरण में, भासलक्षणी प्रभाव गे मंहार्ड भत्ते के किसी पनरीक्षण या पनरीक्षित मजदूरियों या अन्य भत्ताओं की मंजूरी की दशा में, बोर्ड सूचीकृत कर्मकारों को यथास्थिति, अधिनियम की या सिफारिश या आदेश की तारीख तक बकाए का संदाय अपनी नियम में से उस दशा में कर सकेगा, जबकि बोर्ड इसा विनियमन करे।

[रु. एस. 70012/3/73-पी एड डी.]

वी शंकरानगम, अधर राजिय, (मी पृष्ठ १)

### MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

#### (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 28th November, 1973

**S.O. 3408.**—The following draft of a Scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after a period of two months from the date of its publication in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

#### DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1973.

2. In the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, after clause 13-D the following clause shall be inserted, namely:—

**"13-E.—Arrears of Dearness Allowance, wages and other allowances:** In case of any revision of dearness allowance or grant of revised wages or other allowances, with retrospective effect, in pursuance of any award or recommendation of any board or body set up, or of any order made by the Central Government, the Board may out of its funds, pay the listed workers arrears upto the date of the award or, as the case may be, of the recommendation or order, if the Board so decides."

[No. S-70012/3/73-P&D]

**S.O. 3409.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Cuttack, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Port in Port Trust, Paradip, Cuttack and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th November, 1973.

### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 31 of 1972

#### Parties :

Employers in relation to the management of Paradip Port Trust,

AND

Their workmen.

#### Present :

Sri S. N. Bagchi.—Presiding Officer.

#### Appearance :

On behalf of Employers.—Sri Gopabandhu Das, Assistant Secretary, Paradip Port Trust.

On behalf of Workmen.—Sri Gopabandhu Das, duly authorised by the Union.

**State : Orissa**

**Industry : Port & Dock**

#### AWARD

By Order No. L-38011/1/72-P&D, dated 15th May, 1972, the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust and their workmen, to this tribunal, for adjudication, namely:—

"Whether the action of the management of Paradip Port Trust in serving on Shri K. C. Patnaik notice of termination of his services as worksarkar with effect from 30th November, 1965 and appointing him as Forest Guard with effect from the 1st December, 1965 on a lower scale of pay is justified? If not, to what relief is Shri Patnaik entitled and from what date?"

2. When the case was taken up for hearing on 30-10-1972 Sri Gopabandhu Das, Assistant Secretary, Paradip Port Trust appeared on behalf of the management of Paradip Port Trust. He was also authorised by the President, Paradip Port Workers' Union, Paradip Port to appear on behalf of the workmen. Sri Das filed a memorandum of compromise but the same could not be recorded on that date as requisite number of copies of the said compromise was not filed. The requisite number of copies have been received today which is the date fixed for the purpose. I have gone through the compromise. The terms of the compromise are fair, equitable and beneficial to the parties. I, therefore, record the compromise and pass an award in terms of the compromise, a copy of which is annexed hereto.

This is my award.

**S. N. BAGCHI, Presiding Officer.**

Dated, November, 8th, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL 20, BRITISH INDIAN STREET (1ST FLOOR), CALCUTTA-1

Reference No. 31/72/545

#### Parties :

Employers in relation to the management of Paradip Port Trust,

AND

Their workman namely Sri Kedar Ch. Pattanaik.

The compromise petition of the Employer and the workman above named

MOST respectfully sheweth :

- (1) That the workman namely Sri K. C. Patnaik was appointed as a worksarkar in Port Building Division No. 1 on 18-11-63 under work-charged establishment. He was served with one month's notice of retrenchment on 30-10-65 due to reduction of work in that Division and was relieved on 30-11-65.
- (2) That the above said workman filed the above reference on the ground that since retrenchment compensation has not been paid to him the retrenchment is illegal and liable to be quashed.
- (3) That after negotiation between the parties it has been decided to compromise the case on the following grounds agreed between the parties.

#### GROUNDS

- (1) That it has been decided that the workman namely Sri K. C. Patnaik will be given continuity of service as Worksarkar from the date of his retrenchment from that service i.e. 30-11-65.
- (2) That the workman's present pay will be fixed taking into account the said continuity of service.
- (3) That no arrear pay will, however, be paid for the above period. But it is agreed that, that a lump-sum amount of Rs. 1,500 (Rupees four thousand five hundred) only will be given to the workman.
- (4) That the workman will have no right to move any Tribunal/Court hereafter on receipt of the benefits mentioned above, for further benefits.

#### PRAYER

It is, therefore, prayed that your honour will be pleased to receipt the terms agreed to between the parties as set out above and to give necessary awards.

And for this act of your kindness the parties above named as in duty-bound shall ever pray.

By the Employer of Paradip Port Trust.  
&

On behalf of the workman Sri K. C. Patnaik  
President, Pradeep Port Workers' Union  
[No. L-38011/1/72-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

आष्टश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1973

का. आ. 3110.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्ध अनुसूची में विनियोगित विवरणों के बारे में यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी रो राम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक अंदियोगिक विवाद विद्यमान है,

अंग्रेजी अर्थात् केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए नियोजित करना चाहनीय समझती है,

अतः अब, अंदियोगिक विवाद अधिर्णियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक अंदियोगिक अधिकारण गठित करती है, जिसके पीठारीगं अधिकारी श्री एच. आर. राही होंगे जिनका मुख्यालय संडीगढ़ होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिए नियोजित करती है।

अनुसूची

दस यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के प्रबंधत्र की, श्री के. ए. गुप्ता, लेखापाल, यूनिवर्सल

फायर एण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, अमृतसर को लिपिको और टाइपिस्टों (टांककों) को अनुद्योग 125-385 रु. की श्रेणी में रखने की कार्रवाई न्यायीचित थी? यदि नहीं, तो वह किस अनुत्तम का हकदार है?"

[रा. ए.ल-17011/16/72-एल आर 1]

एस. एस. सहरत्राजन, अवर रायचब

#### ORDER

New Delhi, the 30th October, 1973

**S.O. 3410.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Universal Fire and General Insurance Company and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULL

"Whether the action of the Management of Universal Fire and General Insurance Company in placing Shri K. L. Gupta, Accountant, Universal Fire and General Insurance Company, Amritsar in the grade of Rs. 125-385 admissible to Clerks and Typists was justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L-17011/16/72-LR. II

New Delhi, the 27th November, 1973

**S.O. 3411.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of West Suket Labour Contractor Co-operative Society Limited, Post Office, Suket, District Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th November, 1973.

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur.—Presiding Officer.

**Case No. CfT-31 of 1972**

**Ref:**—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/26/71-LR-IV dated 25th October, 1971.

In the Matter of an Industrial Dispute.

#### BE TWEEN

The Management of West Suket Labour Contractor Cooperative Society Limited, P. O. Suket, Distt. Kota.

#### AND

These workmen represented by Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi

Date of Award :

10th October, 1973

## AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of West Suket Co-operative Labour Contractors Society Limited, Post Office Suket (District Kota) in suspending Shri Wahid Ullah Khan, Supervisor of their Kukra Lime Stone Mine with effect from 28th April, 1971 and thereafter keeping him virtually dismissed is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

Notice was issued to the concerned Union viz. the Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi, Rajasthan. The statement of claim was filed on 24-1-72 but thereafter the representative of the Union failed to appear and pursue the matter. It appears that the Union is not interested in pursuing the matter further. In view of the non-appearance on behalf of the Union, there is no alternative but to pass a 'no dispute' award in the matter.

[No. L-29012(26)/71-LR. IV]

U. N. MATHUR, Presiding Officer,

**S.O. 3412.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the matter of an application under section 33A of the said Act from Shri Matadeen Singh which was received by the Central on the 19th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur.—Presiding Officer.

Complaint No. CIT-2 of 1972

Shri Matadeen Singh s/o Shri Madho Singh.—Complainant.

Vs.

The Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur.—Opposite Party.

Appearances:

For the Complainant.—None.

For the Management.—Shri D. N. Sharma.

Date of Award: 30th October, 1973

## AWARD

This is a Complaint under section 33A of the Industrial Disputes Act filed by Shri Matadeen Singh against the management of Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur. No one is putting in appearance on behalf of the Complainant since 4-7-72. It appears that the Complainant is not interested in the prosecution of the Complaint. I have, therefore, no alternative but to pass a no dispute award in the matter. A no dispute award is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

[No. L-29014/2/73-LR. IV]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

इह विल्सी, 24 नवम्बर, 1973

**S.O. 3413.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रवर्त्त गणितों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूत्यूर्ध श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संडेश का 3048, तारीख 26 अगस्त, 1972 को अधिकांश करते हुए केन्द्रीय सरकार विशेष सचिव, तमिल नाडु सरकार, श्रम और रोजगार विभाग की केन्द्रीय न्यासी बोर्ड के संवस्य के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूत्यूर्ध श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संडेश का 2412, तारीख 6 जुलाई, 1970 में नियुक्त करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में मद 12 के सामने, प्रथम स्तम्भ में विवरान प्रविष्ट रखी जाएगी, अर्थात्:—

"विशेष सचिव, तमिल नाडु सरकार, श्रम और रोजगार विभाग, मद्रास"।

[सं. 12(5)/69-पी.एफ. 2]

New Delhi, the 24th November, 1973

**S.O. 3413.**—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 5A of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (1952 of 1952) and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3048 dated the 26th August, 1972, the Central Government hereby appoints the Special Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department, as member of the Central Board of Trustees and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2412, dated the 6th July, 1970, namely:

In the said notification against item 12, for the existing entry in the first column the following entry shall be substituted namely:—

"The Special Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department, Madras."

[No. 12(5)/69-PF.II]

इह विल्सी, 26 नवम्बर, 1973

**S.O. 3414.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रामेश्वर प्रसाद केजरिवाल एण्ड संस., 4, इंडिया एक्सचेंज प्लैस, दूसरी मंजिल, कलकत्ता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त होई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35017(7)/73-पी.एफ. 2(1)]

New Delhi, the 26th November, 1973

**S.O. 3414.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Rameshwar Prasad Kejriwal & Sons, 4, India Exchange Place, 2nd Floor, Calcutta have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S.35017(7)/73-PF.II(i)]

का० आ० 3415.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रधम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में कावशक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स रामेश शर्मा प्रसाद केजरिवाल एंड सन्स, 4, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को 1972 के जून के तीसवें दिन से उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एस० 35017(7)/73-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 3415.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1972, the establishment known as Messrs Rameshwar Prasad Kejriwal & Sons, 4 India, Exchange Place, 2nd Floor, Calcutta-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(7)/73-PF.II(ii)]

का०आ० 3416.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दि हृष्ण वर्त टी कम्पनी लिमिटेड, 35, चित्ररंजन एवेन्यू, कलकत्ता-12 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35017(46)/73-पी०एफ०-2)]

**S.O. 3416.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Hapjan Purbat Tea Company Limited, 35, Chittranjan Avenue, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1971.

[No. S. 35017/46/73-PF.II]

का०आ० 3417.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह ब्रदर्स श्रीरामी प्लाट कम्पनी नार्थ फासब्रेरी रोड, सेवरी, मुम्बई-33 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के हक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(38)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 3417.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Shah Brothers B.P.T. Plot "Q" North Fosbery Road, Sewri, Bombay-33 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S.35018/38/73-PF.II]

का०आ० 3418.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्यांग टी० सीड कंपनी लिमिटेड, 35, चित्ररंजन एवेन्यू (तीसरी मंजिल) कलकत्ता-12 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किय जाने चाहिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35017(47)/73-पी०एफ०-2]

**S.O. 3418.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kyang Tea Seed Company Limited, 35, Chittranjan Avenue, (3rd Floor) Calcutta 12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1971.

[No. S. 35017/47/73-PF.II]

का०आ० 3419.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वास्तिक शार्ट हैंडस्ट्रीज राम बंस एस० वी० रोड, मोलद, मुम्बई नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के हक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(39)/73-पी०एफ० 27]

**S.O. 3419.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Swastik Art Industries Ram Bans S. V. Road, Molad Bombay have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018(39)/73-PF.II]

**का० आ० 3420-**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स परमासिवन पोटरीज चिट्टीरी मेरी, पुदुक्कादु पो० थो० विचुर जिला, केरल नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा, (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के फरवरी के अट्ठाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(59)/73-पी०एफ०२]

**S.O. 3420.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Paramasivan Potteries Chittisserry, Pudukkattu Post, Trichur District, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019(59)/73-PF.II]

**का० आ० 3421.-**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जय केमिकल इण्डस्ट्रीज, 7/12, वल्लभ इण्डस्ट्रीज एस्टेट, नगरवेल हनुमान रोड रेखियल, अहमदाबाद नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसंबर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(62)/73-पी०एफ०२]

**S.O. 3421.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Jay Chemical Industries 7/12, Vallabh Industrial Estate Nagarvel Hanuman Road, Rakhiyal, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension

Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35019(62)/73-PF.II]

**का० आ० 3422.-**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मद्रास पौस्तक आडिट डिपार्टमेंट कॉटेन, सं० 3, कमाइल-इन-चीफ रोड गद्राम-४ नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(34)/73-पी०एफ०२]

**S.O. 3422.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Madras Postal Audit Departmental Canteen, No. 3, Commander in chief Road, Madras-8 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S. 35019(34)/73-PF.II]

**का० आ० 3423.-**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पोथन एण्ड कम्पनी, श्री-२२, एच०एम० टी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बंगलोर-३१ नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(103)/73-पी०एफ०२]

**S.O. 3423.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Pothan & Co., B-22, H.M.T. Industrial Estate, Bangalore-31 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019(103)/73-PF.II]

**का० शा० 3424—यतः** केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि द्वारा प्राप्तीय प्राइवेट फिल्मेंट, 39, बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंड्या इस बात पर सहमत हो गयी है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जून के इकाईमवे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम-35017(42)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 3424.—Whereas** it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Bengal Properties Private Limited, 39, Bentinck Street, Calcutta have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1972.

[No. S. 35017/42/73-PF.II]

**का० शा० 3425—यतः** केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैथर्स निर्मल टेक्नोलॉजीज मिल, 12, कुमारपारा रोड, प.०. श्री लिलुआ, हावड़ा, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंड्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अगस्त के इकाईमवे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम-35017(16)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 3425.—Whereas** it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirmal Textile Mills, 12, Kumarpura Road, P.O. Lilluah, Howrah have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1971.

[No. S. 35017(16)/73-PF.II]

**का० शा० 3426—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस भविष्य में आवश्यक जांच कर लेने के लिए तथा मैथर्स विनय कुमार एंड ब्रादर्स, 24-बी, दरियागंज, दिल्ली-6 नामक स्थापन की 1973 के मार्च के प्रथम दिन में उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।**

[सं. एम-35019(71)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 3426.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1973 the establishment known as Messrs Vinay Kumar and Brothers, 24-B, Daryaganj, Delhi-6 for the purposes of the said proviso.**

[No. S. 35019/71/73-PF.II(ii)]

**का० शा० 3427—यतः** केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैथर्स विनय कुमार एंड ब्रादर्स, 24-बी दरियागंज, दिल्ली-6 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंड्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम-35019(71)/73-पी० एफ० 2(1)]

**S.O. 3427.—Whereas** it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinay Kumar and Brothers, 24-B, Daryaganj, Delhi-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1973.

[No. S. 35019/71/73-PF.II(i)]

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

**का० शा० 3428—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री कैस पीटर को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम अंतर कुटुम्ब पेंशन निधि स्कीम के प्रयोग-जनां के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी दूसरे स्थापन के संबंध में, जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण तारीफ नाल राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।**

[सं. ए. 12015(4)/70-पी० एफ० 1]

New Delhi, 28th November, 1973

**S.O. 3428.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Caius Peter to be Inspector for the whole of the State of Tamil Nadu for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12015/4/70-PF. I]

**का. आ. 3429.**—कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कटूम्ब पेंशन निर्धारा अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. 21(6)/62-पी. फ. 1, तारीख 31 अगस्त 1962 को अधिकान्त करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री पी. प्ल. जोग को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरीचित किए गए और कटूम्ब पेंशन स्थानीय के पायोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसकी एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हैं, सम्पूर्ण गंवा, दूषण और दीव संघ राज्य क्षेत्र के लिए नियक्त करती है।

[सं. प. 12015(7)/71-पी. एफ. 1(2)]

**S.O. 3429.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. 21(6)/62-PF.I, dated the 31st August, 1962, in so far as it relates to Shri P. M. Joag to be an Inspector for the whole of the Union territory of Goa, Daman and Diu for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12015/7/71-PF. I(ii)]

**का. आ. 3430.**—कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कटूम्ब पेंशन निर्धारा अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पूर्वासी मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2119, तारीख 1 जून, 1970 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार ऐसे वर्ग के स्थापनों को, जो लाख, जिसके अन्तर्गत चपड़ा है, उद्योग के ऐसे कारखाने हैं जो भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. नि. आ. 2026, तारीख 3 दिसंबर, 1965 द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत आते हैं, उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के बायान की तारीख 31 दिसंबर, 1973 तक, जिसमें यह तारीख भी समीक्षित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए उक्त अधिनियम के उपबन्धों से छूट देती है।

अधिसूचना संख्या का. आ. 3430, तारीख 28 नवम्बर, 1973 का व्याप्तिकरण ज्ञापन

लागू (जिसके अन्तर्गत चपड़ा है) उद्योग तारीख 3 दिसंबर, 1966 से कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कटूम्ब पेंशन निर्धारा अधिनियम, 1952 के अधीन आ गया था। चूंकि यह उद्योग जिस की विधि अवश्यक रूप से नियति के लिए है, भविष्य निर्धारा अंशदान चुकाने का वित्तीय भार वहां नहीं कर

सकता था इसलिए इस उद्योग का वित्तीय आधारों पर उक्त अधिनियम की धारा 16(2) के अधीन छूट दी गई है। इस उद्योग के स्थापनों को वित्तीय स्थिति का सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्विलोकन किया गया था और उनको कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कटूम्ब पेंशन निर्धारा अधिनियम, 1952 की धारा 16(2) के अधीन 31 दिसंबर 1971 तक छूट दी जाती रही है।

2. अब आंतरिक अवधि के लिए छूट देने का मामला संबंधित केन्द्रीय भविष्य निर्धारा अधिनियम, राज्य सरकारों और केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के परामर्श से विचाराधीन रहा है। अब यह विनिश्चय किया गया है कि यह छूट 31-12-1973 तक की अवधि के लिए जारी रखी जाए। जैसा कि उपर कहा जा चुका है, यह मामला विचाराधीन होने के कारण इस भाग की अधिसूचना और पहले जारी नहीं की जा सकी। अतः यह अधिसूचना भूतलक्षी तारीख से जारी की जा रही है।

[सं. 11/10/68-पी एफ. 2 जिल्ड 2]

**S.O. 3430.**—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 16 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation No. 2119 dated 1st June, 1970, the Central Government hereby exempts for a further period of two years from the date of the expiry of the period specified in the said notification, upto and inclusive of the 31st December, 1973, from the provisions of the said Act, such class of establishments as are factories in the Lac, including Shellac industry, as were covered by the said Act by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour No. S.R.O. 2026, dated the 3rd September, 1956.

**Explanatory Memorandum to Notification No. S.O. 3430**  
Dated 28th November, 1973

Lac (including Shellac) industry was covered under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 with effect from 30th September, 1956. The industry which is essentially expert oriented, was granted exemption under section 16(2) of the Act on the ground that it could not bear the financial burden of paying contribution to the provident fund. The financial position of the establishments in the industry was reviewed by the Government from time to time and the exemption under section 16(2) of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 was continued to 31st December, 1971.

2. The question of exemption for a further period has been, under consideration in consultation with the Central Provident Fund Commissioner, State Governments and Central Ministries/Departments. It has now been decided to continue the exemption upto 31st December, 1973 only. The notification to this effect could not be issued earlier as the matter was under consideration as explained above. Hence the Notification is being issued from a retrospective date.

[No. 11/1A/68-PF. II/Vol. II]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

**का. आ. 3431.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि मैसर्स चल्लारामस लोक कलस, 34, केम्प गाउड़ा रोड, बंगलौर-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक द्वारा कर्मचारियों की हस्तमूल्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कटूम्ब पेंशन निर्धारा अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहीहे;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(94)/73-पी. एफ. 2(1)]

New Delhi, the 29th November, 1973

**S.O. 3431.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chellarams Lok-Kalas 34 Kempa Gowda Road, Bangalore-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019(94)/73-PF. II(i)]

**का. आ. 3432.**—कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कर्तृत्व पैशन नियम अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के परचात मैसर्स चेलारामस लोक-कलस सं. 34 के पास गाउडा रोड, बंगलौर-9 नामक स्थापन को 1973 की मध्य के प्रथम दिन से उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(94)/73-पी. एफ. 2(2)]

**S.O. 3432.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1973 the establishment known as Messrs Chellarams Lok-Kalas No. 34 Kempa Gowda Road, Bangalore-9 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019/94/73-PF. II(ii)]

**का. आ. 3433.**—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कनिक कंप्लिकल हैंजीनियरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, 207, काकड़ चैम्बर्स, डा. एर्नांडोंसंट रोड, वर्ली, मुम्बई-18 डब्ल्यू जी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्धारा और कर्तृत्व पैशन नियम अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपरांध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपरांध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के सितम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(25)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3433.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Knik Chemical Engineering Private Limited, 207, Kakad Chambers Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18, W.B. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September 1972.

[No. S. 35018(25)/73-PF. II]

**का. आ. 3434.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रोड मर्शिन्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, ट्रांसपोर्ट हिपो रोड, कलकत्ता-27, जिसके अन्तर्गत उसका कार्यालय 31, चित्तरंजन एवं एवं अलकत्ता-12 भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य नियम अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपरांध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपरांध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(31)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3434.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Road Machines (India) Private Limited, Transport Depot Road, Calcutta-27 including its office at 31 Chittaranjan Avenue, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1972.

[No. S-35017/31/73-PF.II]

**का. आ. 3435.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एविनिंदिया प्राइवेट लिमिटेड, लिंबर्टन बिल्डिंग, मरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य नियम अंतर्गत कर्तृत्व पैशन नियम अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपरांध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपरांध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के प्रदर्शन के उल्लंघनों दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(23)/73-पी. एफ. 2(1)]

**S.O. 3435.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Avindia Private Limited, Liberty Building, Marine Lines, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1971.

[No. S-35018(23)/73-PF.II(i)]

**का. आ. 3446.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स एंविनियो प्राइवेट लिमिटेड, लिबर्टी, भैरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन को 28 फरवरी, 1971 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं. एस-35018(23)/73-पी. एफ. 2(2)]

**S.O. 3436.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the twenty-eighth day of February, 1971, the establishment known as Messrs Avindia Private Limited, Liberty Building, Marine Lines, Bombay-20, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(23)/73-P.F. II(ii)]

**का. आ. 3437.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लैन फिल्म एन्टरप्राइज (प्राइवेट) लिमिटेड, के. जी. रोह, बंगलौर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की औहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस 35019(93)/73-पी. एफ. 1(1)]

**S.O. 3437.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blaine Film Enterprises (Private) Limited K. G. Road, Bangalore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/93/73-P.F. II(d)]

**का. आ. 3438.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय के आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स ब्लैन फिल्म एन्टरप्राइज (प्राइवेट) लिमिटेड, के. जी. रोह, बंगलौर नामक स्थापन को 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं. एस-35019(93)/73-पी. एफ. 2(2)]

**S.O. 3438.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April,

1973 the establishment known as Messrs Blaine Film Enterprises (Private) Limited K. G. Road, Bangalore for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/93/73-P.F. II(ii)]

**का. आ. 3439.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भवानी ट्रैडर्स, लेसस आफ श्री राम प्रेस एण्ड मिल्स, डॉकीनावल्सा, श्री काकलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की औहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किया करती है।

यह अधिसूचना 1972 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. 8/275/70-पी. एफ. 2]

**S.O. 3439.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhawani Traders, Lessors of Shri Rama Press and Mills, Denkinavala, Srikakulam District have agreed that provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1972.

[No. 8/275/70-PF. II]

**का. आ. 3440.**—यतः मैसर्स हिन्दुस्तान आइंडियल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, आन्ध्र बैंक विलिंग, पोस्ट बाक्स सं. 144 सूलतान बाजार, हैदराबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के स्पष्ट (क) के अधीन छूट देने के लिए आवंदन किया है;

अंतर्यामी यतः केन्द्रीय सरकार को यह मैसर्स हिन्दुस्तान आइंडियल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, आन्ध्र बैंक विलिंग, पोस्ट बाक्स सं. 144 सूलतान बाजार, हैदराबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 के स्पष्ट (क) के अधीन अधीन छूट देने के लिए आवंदन किया है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के स्पष्ट (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपबंध अनुसूची में विभिन्न शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन की उक्त स्थापन के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है और उक्त धारा 17 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निवेदित देती है कि—

(क) उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक उक्त स्थापन के उन कर्मचारियों को, जो यदि वह छूट दी गई होती तो, उक्त

स्कीम के अधीन सदस्य हो गए होंते, तत्समय देय खेत्र के (आधारिक मजदूरी, संहगाई भत्ता, प्रतिश्वारण भत्ता, दौदि कार्ड हों और उस पर अनुदेश स्वाक्ष्य रियायत का नक्शे मूल्य) 0.09 प्रतिशत (शून्य दशमलव शून्य नो प्रतिशत) की दर से निरीक्षण-प्रभार मासान्त के पन्द्रह दिन के भीतर कर्मचारी भविष्य निधि को देगा;

(ख) उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक—

(1) मासिक भविष्य निधि अभिदायों को, जिस मास से वे संबंधित हों, उस मासान्त के पन्द्रह दिनों के भीतर, उस स्थापन की वाक्त सम्यक रूप से गठित न्यासी बोर्ड को अन्तरिन करेगा;

(2) उक्त नियोजक या विनिधान के लिए उत्तरदायी कोई अन्य प्राधिकारी भविष्य निधि अभिदायों को, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाले गए निवेशों के अनुभार, विनिहित करेगा।

(ग) (1) उपर्युक्त (क) की वाक्त नियोजक द्वारा

(2) उपर्युक्त (ख) की वाक्त नियोजक या किसी अन्य उत्तरदायी प्राधिकारी द्वारा ऐसा न किया जाने पर वे चर्यास्थिति, कर्मचारी भविष्य निधि या न्यासी बोर्ड को नुकसानी या क्षात्र देने के दारी होंगे।

### अनुसूची

1. नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को विवरणीय भेजेगा जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विहित करे।

2. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा-निवरण या पास बुक भेजेगा।

3. निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियों का भेजा जाना, संबंधों का अन्तरण, निरीक्षण-प्रभारों आदि का संदाय आदि सम्मिलित है, में अन्तर्विलत सभी व्यायों का धृत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक समूचित गरकार द्वारा अनुमोदित निधि के नियमों की एक प्रीत न्यापन के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा तब कर्मचारियों की वृद्धिसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य-मुख्य आत्म का अनुवाद भी प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कार्ड ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या शून्यप्राप्त कियी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही में सार्वजनिक है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम लान्त ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की वाक्त उसके पिछले संचारों को रखकार करने उद्देश्ये उसके सात में जमा करेगा।

6. यदि उस वर्ग के लोगों के लिए जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अभिदायों की दर कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 के अधीन नहीं हो जाए तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर रामनित रूप से नहीं देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रभाविताएं उन प्रगतिशायों से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 के अधीन हैं।

7. स्थापन अपनी भविष्य निधि का संपरीक्षण तृतीनाप्रति हर वर्ष प्रादेशिक आयुक्त को वर्षन्ति के तीन मास के भीतर भेजेगा।

8. भविष्य निधि के नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा। जहां किसी संशोधन रो कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पहुंचा संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हैदराबाद अपना अनुमोदन देने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना द्रीष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देंगा।

[स. 11(23)/70-पी. एफ. 2]

**S.O. 3440.**—Whereas Messrs Hindustan Ideal Insurance Company Limited, Andhra Bank Building, Post Box No. 144, Sultan Bazar, Hyderabad (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952);

AND WHEREAS in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to the employees therein than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme and in pursuance of sub-section (3) of the said section 17, the Central Government hereby directs that—

- the employers in relation to the said establishment shall pay within fifteen days of the close of the month to the Employees' Provident Fund, Inspection Charges at the rate of 0.09 per cent (zero point zero nine per cent) of the pay (basic wages, dearness allowance, retaining allowance, if any and cash value of food concession admissible thereon) for the time being payable to the employees of the said establishment who would have become members under the said Scheme but for this exemption;
- the employer in relation to the said establishment:
  - shall transfer the monthly provident fund contributions within fifteen days of close of the month to which the contribution relate to the Board of Trustees duly constituted in respect of that establishment.
  - the said employer or any other authority responsible for the investment shall invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government from time to time.
  - failure to do so (i) in respect of (a) above by the employer (ii) in respect of (b) above by the employer or any other authority responsible will render them liable to pay damages or interest to Employees' Provident Fund or Board of Trustees, as the case may be.

### SCHEDULE

1. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, prescribed.

2. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.

3. All expenses involved in the administration of the fund including the maintenance of accounts, submission of

accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee who is already member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrolle him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit to his account.

6. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 so that the benefits under the provident fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952.

7. The establishment shall submit an audited balance sheet of its provident fund every year to the Regional Commissioner within 3 months of the close of the year.

8. No amendment of the rules of the provident fund shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Hyderabad shall, before giving his aproval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. 11(23)/70-PF.II]

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1973

का. आ. 3441.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम. आर. नवीनचन्द्र एण्ट कम्पनी, 38-50 काजी सैयद स्ट्रीट, मूडी बाजार, मुम्बई-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटून्स पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्तूबर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35018(69)/73-पी. एफ. 2]

New Delhi, the 30th November, 1973

S.O. 3441.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. R. Navin Chandra and Company, 38.50 Kazi Sayed, Street, Mudi Bazar, Bombay-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1972.

[No. S-35018(69)/73-PF. II]

का. आ. 3442.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बोयपति विजयवाडा-1, कृष्णा जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटून्स पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35019(43)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3442.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Boyapati Business Corporation, Vijayawada-1 Krishna District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S-35019/43/73-PF. II]

का. आ. 3443.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बालेश्वरदास लोईवाल, ई-2, गिलन्दर हाउस, 8, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35017(37)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3443.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Baleshwaridas Loival, E-2, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1972.

[No. S-35017/37/73-PF. II]

का. आ. 3444.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स कमलिंग चाहनीज रेस्टोरेंट, नारिंगन महल, 82, वीर नारीमन रोड, चर्चगेट, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 की जलाई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं. एस-35018(70)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3444.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamling Chinese, Restaurant, Nagin Mahal, 82, Veer Nariman Road, Churchgate, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1972.

[No. S. 35018/70/73/PF-II]

का. आ. 3445.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स शिवराज मोटर्स सर्विस-डिविजन, सं. 135/1, रेजिस्टर्ड रोड, बंगलोर-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं. एस-35019(110)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3445.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khivraj Motors Service—Division, No. 135/1, Residency Road, Bangalore-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/110/73/PF-II]

का. आ. 3446.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स रिसर्व्स कम्पनी ब्रॉड कम्पनी पी-40, प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35017(32)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3446.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sikri Brothers Coal Company P-40, Princep Street, Calcutta-13 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April 1972.

[No. S-35017/32/73-PF. III]

का. आ. 3447.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स बंगलौर स्टार्च कम्पनी, सं. 57/1, बाहरवां मील, टम्सकर रोड, नेलमंगला तालुक, बंगलोर-22, जिसमें इसका सं. 33, एन. एस. रोड, कलकत्ता-1 स्थित शाखा कार्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटूम्ब पेंशन विधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(105)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3447.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bangalore Starch Company, No. 57/1, 12th Mile, Jumkur Road, Nelamangala Tgr, Bangalore-22 including its Branch Office at No. 33, N. S. Road Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S-35019/105/73 PF. II]

का. आ. 3448.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डियन काफी हाउस, कोर्ट रोड, नगरकोइल कन्याकुमारी जिला, ओरिसा इसकी शास्त्रादान और कृष्णनगर कन्याकुमारी भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(57)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3448.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Indian Coffee House, Court Road, Nagercoil Kanya Kumari District and its branches at Cape Road, Nagercoil and at Cape Commerine have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019/57/73-PF.II]

का. आ. 3449.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जगन्नाथ सा मिल, स्टेशन रोड, भुवनेश्वर-6 (ଓଡ଼ିଶା) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35019(115)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3449.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagannath Saw Mill, Station Road, Bhubaneswar-6 (Orissa) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/115/73-PF. III]

का. आ. 3450.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एंटीवेर्ट एंटीवेर्ट, 77, जनरल पैटर्स रोड, मद्रास-2, जिसमें इसका एंटीवेर्ट प्रोसेस सं. 27, पीटर्स रोड, मद्रास-14, स्थित प्रॉसेस भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और

कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35019(35)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3450.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Elegent Publicities, 77, General Patters Road, Madras-2 including its Process at Elegent Process No. 27, Peters Road, Madras-14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/35/73/PF-II]

का. आ. 3451.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक्शन फार वाटर डॉकलपर्मेंट मैसर्स सोसाइटी, 14, पैलस रोड, बंगलोर-52 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35019(114)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3451.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Action For Water Development Mysore Society, 14, Palace Road, Bangalore-52 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1972.

[No. S-35019/114/73-PF. II]

का. आ. 3452.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि किलापलाशुर कोआपरेटिव मिल्क सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, किलापलाशुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

असः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(56)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3452.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kilapaluvur Cooperative Milk Supply Society Limited, Kilapaluvur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1973.

[No. S. 35019(56)/73-PF. II]

**का. आ. 3453.**—यतः: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विहार इस्पात (इंजीनियर्स) लिमिटेड, पी. बी. सं. 54, रांची-1 (बिहार) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वह संस्था इस बात पर सहमत है गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पैशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

असः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1971 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(73)/72-पी. एफ. 2]

**S.O. 3453.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bihar Ispat (Engineers) Limited, Post Box No. 54, Ranchi-1 (Bihar), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1971.

[No. S. 35019/73/72/PF-II]

**का. आ. 3454.**—यतः: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तिवारी रेस्टोरेन्ट, 3-ए, जगमोहन मॉलिक लेन, (प्रथम भौजिल), कालकत्ता-7 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वह संस्था इस बात पर सहमत है गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पैशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

असः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है ।

106 G of 1/73-6.

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के हक्कीसर्वे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35017(30)/73-पी. एफ. 2]

**S.O. 3454.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tiwari Restaurant, 3-A Jagmohan Mullick Lane, (1st Floor), Calcutta-7, have agreed that the provisions of the employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1972.

[No. S. 35017/30/73/PF-II]

**का. आ. 3455.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पैशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (अब जारी रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3976, तारीख 12 नवम्बर, 1970 को अधिकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री टी. के. हांगले को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम और कटुम्ब पैशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण मध्य प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं. ए. 12016(19)/73-पी. एफ. 1]

**S.O. 3455.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3976, dated the 12th November, 1970, the Central Government hereby appoints Shri T. K. Dongle to be an Inspector for the whole of the State of Madhya Pradesh for the purposes of the said Act and the Scheme and the family pension scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/19/73-PF. I]

**का. आ. 3456.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पैशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्व श्री जी. बी. नैथनी, एल. एस. अवस्थी, आर. के. कुरील और वी. जे. सिंह को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित स्कीम और कटुम्ब पैशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं. ए. 12016(16)/73-पी. एफ. 1]

**S.O. 3456.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri G. B. Naithani L. S. Awasthi, R. K. Kureel and V. J. Singh to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/16/73-PF. I]

**का. आ. 3457.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि एक मैसर्फ निहालचन्द सागर मल, मालगोदाम कटक-3, उड़ीसा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अद्यसंख्या इस वात पर राहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्धारण कर्तव्य विभान निर्धारणियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहीए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा ((4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करसे हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1970 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/298/70-पी. एफ. 2]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

**S.O. 3457.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nihal Chand Sagar Mal, Malgodown Cuttack-3, Orissa have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1970.

[No. 8/298/70-PF-II]

DALJIT SINGH, Under Secy.